हिंदी दैनिक अखबार

बिहार पत्रिका

सच के साथ

पटना, बुधवार, 25 फरवरी 2026 | वर्ष : 5, अंक : 60 पृष्ठ : 8, मूल्य : निशुल्क | web_dainikbiharpatrika.com | Email_ dainikbiharpatrika@gmail.com | सम्पादक : कृष्णा टेकड़ीवाल

शारीरिक संबंध बनाने के बाद कुंडली नहीं मिलने का बहाना शादी से इनकार करना अपराध

नई दिल्ली, (एजेंसी)। शादी का वादा कर शारीरिक संबंध बनाना और बाद में कुंडली नहीं मिलने के नाम पर इनकार करना अपराध है। हाल ही में एक मामले में सुनवाई के दौरान दिल्ली हाईकोर्ट ने यह बात कही है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा बर्ताव उस आदमी की तरफ से किए गए वादों की वास्तविकता पर शक पैदा करता है। कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी की तरफ से दाखिल जमानत की याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका पर जस्टिस स्वर्णकांत शर्मा सुनवाई कर रहीं थीं। उन्होंने कहा कि पेश की गई सामग्री से पता चलता है कि आरोपी ने महिला को भरोसा दिया था कि कुंडली मिल गई है। साथ ही शादी में कोई बाधा नहीं आएगी। एक संदेश में आरोपी ने कहा था कि कल ही शादी कर रहे हैं हम। हाईकोर्ट बेंच ने कहा कि शुरूआत में शादी का भरोसा देने के बाद कुंडली न मिलने का आधार बनाकर शादी से इनकार करना, पहली नजर में आवेदक द्वारा किए गए वादे की असलियत और उसकी मंशा पर सवाल खड़े करता है। इस स्तर पर ऐसा व्यवहार अपराध की श्रेणी में आएगा, जो विशेष रूप से उन मामलों से संबंधित है जहां धोखे या शादी के झूठे आश्वासन के जरिए यौन संबंध बनाए जाते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शिकायतकर्ता महिला का आरोप था कि आरोपी उसके साथ लंबे समय तक रिलेशन में रहा। उसने आरोप लगाया कि आरोपी ने शादी के वादे के आधार पर कई बार शारीरिक संबंध बनाए।

महिला ने दावा किया आरोपी और उसके परिवार की तरफ से शादी का वादा मिलने के बाद पहले शिकायत वापस ले ली गई थी। हालांकि, बाद में आरोपी ने कुंडली नहीं मिलने की बात कहकर शादी से इनकार कर दिया। जस्टिस शर्मा ने पाया कि व्यक्ति का यह स्टैंड उसके पिछले दावों से मेल नहीं खाता। कोर्ट ने यह भी कहा कि यदि कुंडली का मिलना इतना ही निर्णायक और अहम था, तो शारीरिक संबंध बनाने से पहले ही इस मुद्दे को सुलझा लिया जाना चाहिए था। कोर्ट ने यह भी कहा कि कुंडली को आधार बनाकर पहले सुलझने का वादा किया गया और बाद में उसको लेकर इनकार किया गया। कोर्ट ने कहा कि इससे पता चलता है कि सहमति झूठे वादे के आधार पर हासिल की गई हो।

भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष की गिरफ्तारी पर भड़के राहुल गांधी....तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी की कड़ी निंदा कर पुलिस की कार्रवाई को तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का संकेत बताया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक पोस्ट में लिखा कि इस सच्चाई को देश के सामने लाने के लिए युवा कांग्रेस अध्यक्ष चिब और अन्य आईवाईसी साथियों की गिरफ्तारी तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का प्रमाण है। राहुल गांधी ने लिखा कि शांतिपूर्ण विरोध हमारी ऐतिहासिक धरोहर है। यह हमारे खून में है और हर भारतीय का लोकतांत्रिक अधिकार है। मुझे युवा कांग्रेस के अपने बब्बर शेर साथियों पर गर्व है, जिन्होंने कॉम्प्रोमाइज्ड पीएम के खिलाफ निडर होकर देश के हित में आवाज बुलंद की है। अमेरिका के साथ हुए फ्री ट्रेड समझौते में देश के हितों से समझौता हुआ है। यह समझौता हमारे किसानों और टेक्सटाइल उद्योग को नुकसान पहुंचाएगा तथा हमारे डेटा को अमेरिका के हाथों में सौंप देगा। राहुल गांधी ने लिखा कि सच्चाई को देश के सामने रखने के लिए युवा कांग्रेस अध्यक्ष चिब और आईवाईसी के अन्य साथियों की गिरफ्तारी तानाशाही प्रवृत्ति और कायरता का प्रमाण है। कांग्रेस पार्टी और मैं अपने बब्बर शेर साथियों के साथ मजबूती से खड़े हैं। सत्ता को सच का आईना दिखाना अपराध नहीं, देशभक्ति है।

डरो मत-सच और संविधान हमारे साथ हैं। दरअसल बीते सप्ताह एआई इम्पैक्ट समिट के दौरान भारत मंडपम में हुए विवादास्पद बिना शर्ट वाले विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में चिब को गिरफ्तार किया था। उनकी गिरफ्तारी के साथ मामले में गिरफ्तारियों की कुल संख्या आठ हो गई है। विपक्ष के नेता द्वारा विरोध प्रदर्शन का जोरदार बचाव उस समय में सामने आया है जब कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने अधिक सतर्कता बरती है। वरिष्ठ नेता मार्गरेट अल्वा ने कथित तौर पर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर गरिमा, अनुशासन और जिम्मेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसे प्रदर्शन के आयोजन के तरीके की अप्रत्यक्ष आलोचना के रूप में देखा जा रहा है।

खास / खबरे

जमानत के बाद भी बांग्लादेशी महिला को छोड़ने से कोर्ट का इनकार

इन्दौर (एजेंसी) मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर में जस्टिस विजय कुमार शुक्ला और जस्टिस आलोक अवस्थी की युगलपीठ ने एक महत्वपूर्ण मामले की सुनवाई उपरांत मामले की गंभीरता के साथ अंतराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए एक बांग्लादेशी महिला को जमानत के बावजूद छोड़ने से इनकार करते राज्य सरकार को निर्देश दिए कि उसके खिलाफ ट्रायल छह माह के भीतर पूर्ण कराई जाए। निर्धारित अवधि में ट्रायल में प्रगति नहीं होने पर याचिकाकर्ता को पुनः न्यायालय आने की स्वतंत्रता रहेगी। बांग्लादेशी महिला लिया उर्फ रीमा जो कि जेल में बंद है और उसकी जमानत होने के बाद यह बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की गई थी। याचिका में रीमा को हाईकोर्ट से जमानत मिलने के चलते जेल से रिहा करने, ट्रायल छह माह में पूरा करने, प्रत्यावर्तन की प्रक्रिया शुरू करने, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ जांच की मांग की गई थी। याचिका सुनवाई दौरान अभियोजन की ओर से कोर्ट को बताया गया कि महिला एक व्यक्ति को जबरदस्ती बंधक बनाने, फिरौती मांगने और अन्य अपराधों के साथ बगैर इजाजत भारत में रहने जैसी गंभीर धाराओं में आरोपी है। उसे जमानत मिल चुकी है, लेकिन मुकदमा लंबित है। नियमों के तहत उसे अस्थायी डिटेंशन सेंटर में रखा गया है। इंदौर कलेक्टर ने जिला जेल को ही अस्थाई डिटेंशन सेंटर घोषित किया है। अभियोजन दलील उपरांत कोर्ट ने महिला को इस टिप्पणी के साथ छोड़ने की अनुमति देने से इंकार कर दिया कि उसके खिलाफ ट्रायल लंबित है और कभी भी आरोपी की उपस्थिति आवश्यक हो सकती है। साथ ही वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों को देखते हुए उसकी सुरक्षा के दृष्टिकोण से डिटेंशन सेंटर में रखा जाना उचित होगा। कोर्ट ने राज्य सरकार को यह भी निर्देश दिया है कि मामले की सुनवाई छह माह के भीतर पूर्ण कराई जाए। निर्धारित अवधि में ट्रायल में प्रगति नहीं होने पर याचिकाकर्ता को पुनः न्यायालय आने की स्वतंत्रता रहेगी।

गिरफ्तारी से बचने के लिए इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंचे अविमुक्तेश्वरानंद....जल्द हो सकती सुनवाई

प्रयागराज, (एजेंसी)। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दायर यौन उत्पीड़न का मामला इलाहाबाद हाईकोर्ट पहुंच चुका है। उधर गिरफ्तारी से बचने के लिए अविमुक्तेश्वरानंद ने अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की। अधिवक्ता राजर्षि गुप्ता, सुधांशु कुमार और श्री प्रकाश के द्वारा ये जमानत याचिका दाखिल की गई है, जिस पर जल्द सुनवाई हो सकती है। बता दें कि तुलसी पीठाधीश्वर स्वामी रामभद्राचार्य के शिष्य आशुतोष ब्रह्मचारी ने 173 (4) के तहत जिला कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। इस पर एडीजे रेप एंड पॉक्सो स्पेशल कोर्ट विनोद कुमार चौरसिया ने झूंसी पुलिस को मुकदमा दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया था। कोर्ट के इस आदेश के अनुपालन में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद गिरी और दो-तीन अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। यह एफआईआर बीएनएस की धारा 351(3), लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा और 17 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। गौरतलब है कि एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस वाराणसी स्थित अविमुक्तेश्वरानंद के मठ में पूछताछ के लिए जा सकती है। उधर पुलिस की एक टीम दोनों नाबालिग बच्चों का भी कलम बंद बयान दर्ज करेगी। पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर नजरी नक्शा तैयार किया है। उधर अविमुक्तेश्वरानंद ने आशुतोष ब्रह्मचारी को हिस्ट्रीशीटर बताया। इस पर आशुतोष ब्रह्मचारी ने अविमुक्तेश्वरानंद के आरोपों पर कहा कि शामली जिले के जिस कांधला थाने का उन्हें हिस्ट्री शीटर बताया जा रहा है, वहां पूरी तरह से गलत है। आशुतोष ब्रह्मचारी ने चुनौती देकर कहा कि वर्तमान समय में वह किसी थाने या अदालत से साक्ष्य सार्वजनिक करें। जिससे यह साबित हो जाएं कि मैं हिस्ट्री शीटर हूं और मेरे खिलाफ इतने मुकदमे दर्ज हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अविमुक्तेश्वरानंद के इशारे पर उनके शिष्यों द्वारा मेरे ऊपर दर्ज 21 मुकदमों की सूची तैयार की गई। जिसमें कांधला थाने की मोहर भी लगाई गई है।

कांग्रेस डरपोक नहीं, संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा करेंगे

बेंगलुरु, (एजेंसी)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी को लेकर कहा कि वे हमारे युवा नेताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस न तो डरपोक है और न ही डरने वाली है। लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे। बेंगलुरु में मीडिया से बातचीत में खड़गे ने कहा कि जब कॉमनवेल्थ गेम्स हो रहे थे, तो नितिन गडकरी और बीजेपी नेताओं ने क्या किया? ऐसे हर इवेंट में वे देश की भावना को समझने में नाकाम रहे। उन्होंने यह नहीं सोचा कि इससे उस समय भारत और विदेश के एथलीटों को क्या संदेश जाएगा। बीजेपी दूसरों के बारे में तो बहुत कुछ कहती है, लेकिन अपने गिरेबान में नहीं झांकती है। अगर वे अपने गिरेबान में झांकेंगे, तो शायद उन्हें अपनी सच्चाई दिखाई देगी। मैं यूथ कांग्रेस अध्यक्ष भानु की गिरफ्तारी की निंदा करता हूं। रिपोर्ट के मुताबिक खड़गे ने कहा कि युवा आज नौकरी के लिए तड़प रहे हैं और देश का माहौल इतना खराब हो चुका है कि उसके कारण केंद्र सरकार के प्रति लोगों में भारी रोष है। मैं चाहता था कि पीएम मोदी देश के लिए कुछ अच्छा कार्य करें, लेकिन केंद्र सरकार नहीं कर रही है। हमारी सरकार वह कर रही है जो अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप कहते हैं। ऐसा लगता है कि ट्रंप के सामने सरकार ने घुटने टेक दिए हैं। उन्होंने भारत-अमेरिका ट्रेड डील से किसानों का नुकसान होगा। हमें बंधुआ मजदूर बनाने की दिशा में धकेला जा रहा है। खड़गे ने कहा कि सरकार की ओर से कांग्रेस को डराया जा रहा है, लेकिन कांग्रेस डरने वाली नहीं है और न ही डरपोक है। हमारे देश में लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे। हम लड़ते रहेंगे और सरकार के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे। उन्होंने एआई समिट में यूथ कांग्रेस के प्रदर्शन के बाद पुलिस की कार्रवाई पर कहा कि प्रदर्शन करने के बाद अगर हिरासत में लिया जाता है तो पुलिस कुछ देर बाद छोड़ देती है, लेकिन इस मामले में ऐसा नहीं हुआ। कांग्रेस को निशाना बनाकर डर पैदा करने के लिए काम कर रहे हैं और कांग्रेस डरने वाली नहीं है।

रेप मामले में हाईकोर्ट में पेश हुए एक्टर पंचोली, फिर की एफआईआर रद्द करने की मांग

मुंबई, (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता आदित्य पंचोली से जुड़े रेप मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट में मंगलवार को 28वीं सुनवाई हुई, जिसमें पंचोली कोर्ट में पेश हुए। यह मामला साल 2019 में वसोर्वा पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर से संबंधित है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि आदित्य पंचोली ने शिकायतकर्ता महिला अभिनेत्री के साथ 2004 से 2009 के बीच यौन शोषण किया। इस लंबित मामले में पंचोली के वकील ने कोर्ट से एफआईआर को रद्द करने की मांग दोहराई। अब इस मामले की अगली सुनवाई 4 मार्च होगी। मीडिया से बातचीत में आदित्य पंचोली ने कहा कि यह मामला रद्द होने वाला है। चूंकि यह मामला कोर्ट में चल रहा है, इसलिए इस पर कुछ कहना उचित नहीं है। इसमें आगे क्या होगा, यह 4 मार्च को पता चलेगा। वहीं पंचोली के वकील ने बताया कि सुनवाई में एफआईआर को रद्द करने की मांग दोहराई गई। वकील ने कोर्ट को बताया कि एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस ने शिकायतकर्ता को जांच के लिए कई बार नोटिस भेजे गए। पीड़िता को अब तक 11 बार नोटिस भेजे जा चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद वह पुलिस के सामने बयान दर्ज कराने नहीं पहुंची। इस पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए दोबारा नोटिस जारी कर अगली सुनवाई में उपस्थिति होने के निर्देश दिए। शिकायतकर्ता की ओर से पेश वकील ने समय मांगा और कहा कि उन्हें अपने मुवक्किल से इंस्ट्रक्शन लेने की जरुरत है ताकि वे अपना पक्ष रख सकें। बता दें यह विवाद लंबे समय से सुर्खियों में है। यह मामला 27 जून 2019 को दर्ज किया गया था और यह शिकायत करीब 15 साल पुरानी घटना के आधार पर की गई थी। शिकायतकर्ता अभिनेत्री ने आरोप लगाया कि आदित्य पंचोली ने उनके करियर की शुरूआत के समय उन्हें नशीला पदार्थ देकर यौन शोषण किया और उनकी निजी तस्वीरें लीं। उन तस्वीरों को सार्वजनिक करने की धमकी दी गई और लंबे समय तक मानसिक दबाव में रखा गया। इसके चलते पीड़िता ने कानूनी कार्यवाही का फैसला लिया। पंचोली और उनके वकील ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि यह मामला झूठा और दुर्भावनापूर्ण है, और शिकायत काफी समय बाद दर्ज की गई। उनका तर्क है कि लंबित मामले और विवादास्पद शिकायत के आधार पर न्यायालय को एफआईआर को रद्द करना चाहिए।

दिल्ली के कूड़ा पहाड़ों पर नए नियमों से होगा कचरा निस्तारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के तीन प्रमुख कूड़ा स्थलों - गाजीपुर, भलस्वा और ओखला - पर अब केंद्र सरकार के नए ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 के अनुसार कचरे का निस्तारण होगा। एमसीडी ने तीसरे चरण के लिए आरएफपी शर्तों में बदलाव को मंजूरी दी है, जिसके तहत नए और पुराने कचरे को चार श्रेणियों में अलग कर निस्तारित किया जाएगा। इन लैंडफिल साइटों को 2026-2027 तक खत्म करने का लक्ष्य है। एमसीडी की स्थायी समिति की बैठक में गाजीपुर, भलस्वा और ओखला लैंडफिल पर पड़े हुए कचरे के निस्तारण के लिए जारी की गई आरएफपी की शर्तों में बदलाव किया गया है। इसके तहत लैंडफिल पर जो भी नया और पुराना कचरा पड़ा है उसका निस्तारण नए नियमों के तहत किया जाना है। ऐसे में जो भी एजेंसी आरएफपी में भाग लेगी उसे अब इन शर्तों का पालन करना होगा। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार केंद्र सरकार ने नए ठोस कचरा प्रबंधन नियम 2026 अधिसूचित कर दिए हैं। एक अप्रैल 2026 से पूरे देश में इन्हें लागू किया जाना है। पूर्व के नियमों के तहत केवल दो तरह गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करके उसके निस्तारण पर जोर दिया गया था। जबकि नए नियमों में चार तरह से कचरे को अलग-अलग करके उसका निस्तारण करना है।

जनसांख्यिकीय परिवर्तन, घुसपैठ और अवैध धार्मिक निर्माण जैसे मुद्दों पर हाईलेवल बैठक करने जा रहे शाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25 से 27 फरवरी तक बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंच रहे है। जिसमें वे विशेष रूप से जनसांख्यिकीय परिवर्तन, घुसपैठ और अवैध धार्मिक निर्माण जैसे मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने वाले है। यह बिहार में इस तरह की पहली उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक होगी, जिसमें बिहार के सीमांचल के सात जिलों किशनगंज, अररिया, पूर्णिया, कटिहार, मधेपुरा, सहरसा और सुपौल के जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षकों के साथ बैठक होगी। दरअसल बिहार के ये सभी जिले भारत-नेपाल और भारत-बांग्लादेश सीमाओं के निकट स्थित होने के कारण लंबे समय से सुरक्षा और आवाजाही की दृष्टि से संवेदनशील रहे हैं। केंद्रीय मंत्री शाह की इस हाईलेंवल बैठक में जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की प्रस्तुतियों के साथ खुफिया आकलन पर चर्चा होगी। मुख्य विषयों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों, अवैध घुसपैठ की घटनाओं और कथित अनधिकृत धार्मिक निमार्णों की समीक्षा शामिल है। केंद्रीय गृह मंत्री शाह प्रशासन और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाने और सुरक्षा कमियों को दूर करने के उपायों पर विशेष जोर देने वाले है। यह पहल सीमांचल क्षेत्र पर केंद्र के बढ़ते ध्यान को दशार्ती है, जहां अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की निकटता और जटिल सामाजिक-आर्थिक स्थिति के कारण सुरक्षा और राजनीतिक चचाएँ लगातार रहती हैं। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री शाह बिहार में व्यापक सुरक्षा परिदृश्य की समीक्षा के लिए भी कई बैठकें करने वाले है। इसमें सीमा प्रबंधन, खुफिया समन्वय, पुलिसिंग रणनीतियाँ और चरमपंथ या संगठित अपराध के खिलाफ तैयारियों पर चर्चा शामिल होगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, जैसे केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन और खुफिया ब्यूरो के निदेशक तपन डेका, बैठक में शामि रहने वाले है। बात दें कि सीमांचल क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से उच्च जनसंख्या घनत्व, प्रवासन दबाव और सीमित बुनियादी ढांचे जैसी विकास चुनौतियों का सामना करता रहा है। हाल के वर्षों में घुसपैठ और जनसांख्यिकीय बदलावों को लेकर उठी चिंताओं ने राजनीतिक बहस और प्रशासनिक जांच को भी बढ़ावा दिया है। कुल मिलाकर यह दौरा सीमांचल में सुरक्षा, प्रशासनिक समन्वय और आंतरिक सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला का कूटनीतिक कदम, 64 देशों का मैत्री समूह का किया गठन

नई दिल्ली, (एजेंसी)। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया है तो इसी बीच लोकसभा अध्यक्ष ने कूटनीति का एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने 64 देशों के मैत्री समूहों का गठन किया है और इसमें विपक्ष के नेताओं को भी शामिल किया है। कई ऐसे समूह हैं जिनका अध्यक्ष विपक्षी नेताओं को ही बनाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत कूटनीति के लिए, संसदों से संवाद बढ़ाने के लिए ये मैत्री समूह बनाए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी इसी तरह की कूटनीति सामने आई थी। सरकार ने विदेश में संवाद स्थापित करने के लिए भेजे गए समूहों में विपक्ष के नेताओं को तरजीह दी थी। इन मैत्री समूहों में कांग्रेस नेता पी चिदंबरम, एसपी के राम गोपाल यादव, टी आर बालू, गौरव गोगोई, कनिमोझी, मनीष तिवारी, असदुद्दीन ओवैसी, डेरेक ओ ब्रायन, सुप्रिया सुले, अखिलेश यादव और शशि थरूर समेत कई वरिष्ठ सांसदों को शामिल किया है। इसमें लोकसभा और राज्यसभा दोनों के सांसद शामिल हैं। इसके अलावा केसी वेणुगोपाल, अभीषेक बैनर्जी, शिवसेना यूबीटी के अरविंद सावंत को भी मैत्री समूह का अध्यक्ष बनाया है। रिपोर्ट के मुताबिक ये मैत्री समूह पड़ोसी देशों के अलावा यूरोप और पश्चिमी एशिया के देशों के साथ भी बनाए गए हैं। इनमें भूटान, श्रीलंका, नेपाल, जर्मनी, न्यूजीलंड, दक्षिण अफ्रीका, स्विट्जरलैंड, सऊदी अरब, इजराइल, अमेरिका, मालदीव, रूस, यूरोपीय संसद, दक्षिण कोरिया, मालदीव, ब्रिटेन, फ्रांस, इटली, जापान, ओमान, ग्रीस, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, वियतननाम, ब्राजील, मेक्सिको, यूएई, ईरान और अन्य देश शामिल हैं।

इन समूहों का उद्देश्य सांसदों के बीच संवाद स्थापित करवाना और आपसी संबंधों को मजबूत करना है। इससे पार्लियामेंट टु पार्लियामेंट और पीपल टु पीपल कनेक्ट को बढ़ाने का विचार है। जानकारों का कहना है कि इन समूहों से वैश्विक चुनौतियों से निपटने में मदद मिलेगी और इसके अलावा सांस्कृतिक प्रसार होगा। यह मैत्री समूह बनाने का पहला चरण है। दूसरे चरण में और भी देशों को शामिल किया जा सकता है। बीजेपी नेता रविशंकर प्रसाद को इजराइल, अनुराग ठाकुर को यूरोपीय संसद, निशिकांत दुबे को रूस के लिए मैत्री समूह का प्रमुख बनाया गया है। लोकसभा सचिवालय का कहना है कि पहले चरण में 64 देशों के साथ मैत्री समूह स्थापित किया गया और शीर्ष अन्य देशों के लिए भी मैत्री समूहों का गठन किया जाएगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य सांसदों को अपने विदेशी समकक्षों से सीधे बात करने का अवसर देना है। इन समूहों के माध्यम से व्यापार, तकनीक, सामाजिक नीतियों, संस्कृति और आज की वैश्विक चुनौतियों जैसे विषयों पर भी चर्चा होगी।

एक नजर

प्रदेश अध्यक्ष की माताजी के श्राद्धकर्म में डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने अर्पित की श्रद्धांजलि

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जी। बिहार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डॉ. संजय सारावगी की पूज्य माताजी के श्राद्धकर्म में भाजपा नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा शामिल हुए। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष से मुलाकात कर दिवंगत माताजी को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संवेदना प्रकट की। डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि माता का स्थान जीवन में सर्वोच्च होता है। उनके आशीर्वाद, संस्कार और त्याग से ही संतान का व्यक्तित्व निखरता है। उन्होंने कहा कि दिवंगत माताजी का स्नेह, सरलता और आध्यात्मिक जीवन शैली परिवार ही नहीं, बल्कि समाज के लिए भी प्रेरणादायी रही है। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें तथा शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य और शक्ति दें। राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता एवं संतोष ठाकुर ने भी अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुख की घड़ी में हम सभी भाजपा परिवार के सदस्य प्रदेश अध्यक्ष और उनके परिवार के साथ खड़े हैं। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और परिवार को संबल देने की कामना की।

जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी ने शेवतर गांव महादलित परिवार के शोकाकुल परिजनों को मदत का दिया भरोसा

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जी। जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी ने मोहडा.प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत शेवतर के ग्राम रिउला में महादलित परिवार के तीन सदस्यों की सड़क दुर्घटना में हुई असमयिक एवं दुखद मृत्यु का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। इस अपूरणीय क्षति से पूरा क्षेत्र स्तब्ध और शोकाकुल है। शोकाकुल परिजनों से भेंट कर उनकी पीड़ा साझा की है। इस दौरान हम सभी ने दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की तथा परिवार को इस असीम दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें ऐसी दुर्घटनाएँ न केवल एक परिवार, बल्कि पूरे समाज को गहरे आघात में डाल देती हैं। जिला परिषद अध्यक्ष नैना कुमारी एवं धर्मवीर कुमार उर्फ सर-दार ने कहा कि मैं दिवंगत आत्माओं को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ और शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूँ। इस दुःख की घड़ी में हम सब उनके साथ खड़े हैं और हर संभव सहयोग के लिए प्रतिबद्ध हैं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं परिजनों को संबल प्रदान करें।

पसराहा पॉलिटेक्निक कॉलेज की दो छात्राएं अचानक बीमार, अस्पताल में भर्ती

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया जिले के पसराहा पॉलिटेक्निक कॉलेज में अध्ययनरत दो छात्र-एं मंगलवार को अचानक बीमार हो गईं। तबीयत बिगड़ने की सूचना मिलते ही 112 पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को उपचार के लिए गोगरी अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया। शाम चार बजे तक उनका इलाज जारी रहा। बीमार छात्राओं की पहचान रीतम कुमारी (18 वर्ष), पिता शशि कुमार, निवासी राहतपुर, जिला बेगूसराय तथा प्रेरणा कुमारी (18 वर्ष), पिता घनश्याम राव, निवासी हसनपुर, जिला समस्तीपुर के रूप में हुई है। रीतम कुमारी पसराहा पॉलिटेक्निक कॉलेज में फर्स्ट ईयर सेकेंड सेमेस्टर की छात्रा है। डॉक्टरों के अनुसार दोनों छात्राओं की स्थिति फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। डॉ. संजीव कुमार की देखरेख में उनका समुचित इलाज किया जा रहा है। घटना की सूचना कॉलेज प्रशासन और परिजनों को दे दी गई है।

भागलपुर के बिहपुर में भीषण सड़क हादसा, 6 मजदूरों की मौत

दैनिक बिहार पत्रिका बिहपुर (भागलपुर)

भागलपुर जिले के बिहपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम एनएच-31 पर एक भीषण सड़क हादसा हो गया, जिसमें छह मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि लगभग 15 लोग घायल हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार झंडापुर थाना क्षेत्र में दयालपुर और बगड़ी ओवरब्रिज के बीच एक जुगाड़ गाड़ी पर सवार करीब एक दर्जन मजदूर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आ रही एक बस ने जुगाड़ गाड़ी को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही मजदूरों से भरी गाड़ी पलट गई और सभी सड़क पर गिर पड़े। बताया जा रहा है कि इसी बीच पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रक ने सड़क पर गिरे मजदूरों को रौंद दिया। हादसा इतना भयावह था कि छह मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को तत्काल अस्पताल भेजने की व्यवस्था की। साथ ही एनएच-31 पर जाम की स्थिति को नियंत्रित करने के लिए यातायात व्यवस्था संभाली गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतकों में तीन मजदूर कटिहार जिले के समेली के रहने वाले बताए जा रहे हैं, जबकि एक बच्चा खगड़िया जिले के मानसी का था। अन्य मृतकों और घायलों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

सेंट्रल चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा नगर स्वच्छ एवं आम जनमानस के समस्या को नगर आयुक्त से की परिचर्चा

नगर आयुक्त ने सभी समस्या को दूर करने का दिया भरोसा

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जी। चैंबर कार्यालय,पुरानी गोदाम,गया जी में गया नगर निगम से संबंधित विषयों पर परिचर्चा आयोजित की गई है। इस परिचर्चा में मुख्य अतिथि के रुप में गया जी नगर निगम के नगर आयुक्त अभिषेक पलासिया के साथ स्वच्छता पदाधिकारी शुभम कुमार,टाउन प्लानर सरिता कुमारी, आर्किटेक्ट इंजीनियर अजीत कुमार,मार्केटिंग ऑफिसर निशांत कुमार आदि पदाधिकारी ने परिचर्चा में सहभागिता दर्ज की है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता विपेंद्र अग्रवाल ,स्वागत डॉ अनूप केडिया ने किया है। विषय प्रवेश करते हुए संरक्षक डॉ कौशलेंद्र प्रताप ने नगर निगम से संबंधित निम्न विषयों पर सभा का ध्यान आकर्षित कराया गया है। शहर में सफाई की व्यवस्था,शहर की सड़कों को जाम से मुक्ति, के पी रोड,,जी बी रोड,टेकारी रोड, स्वराजपुरी रोड इत्यादि शहर के प्रमुख मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करते हुए आवागमन अनुकूल बनाया जाय इसकी मांग की है। होल्डिंग टैक्स, यूजर टैक्स इत्यादि के संग्रह के संबंधित आने वाली परेशानियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए उनके निराकरण के लिए निवेदन किया गया है। बुडको द्वारा शहर में जलापूर्ति हेतु पाइप बिछाने के क्रम में सड़क तोड़े जाने तथा अन्य परेशानियों के संबंध बताते हुए बताया गया कि शहर के कई हिस्सों में इस योजना के तहत जलापूर्ति भी नहीं हो रही अथवा सही ढंग से नहीं हो पा रहा है। उपस्थित सदस्यों ने के पी रोड को जम से मुक्त करने के उद्देश्य से बनाए गए बनाए गए रोड डिवाइडर को हटाने का सु-झाव भी दिया गया है। इंजीनियर आर्किटेक्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष विनय सिन्हा ने मकानों के नक्शा पास कराने के संबंध में आने वाली परेशानियों एवं होने वाले विलंब की ओर ध्यान आकर्षित किया हू। डॉ कौशलेंद्र प्रताप, देवेंद्र जैन , प्रेम नारायण पटवा, विजय भदानी, उमेश गुप्ता,लालजी प्रसाद अधिक साथ अन्य सदस्यों ने प्रमुखता से अपनी बातों को आयुक्त और अन्य पदाधिकारियों के सम्मुख रखा है। नगर आयुक्त ने धैर्यता पूर्वक सारी बातों को सुनकर उनका यथोचित उत्तर देते हुए बताया कि ट्रैफिक संबंधित समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से शहर में बड़े पैमाने पर सी सी टी वी कैमरा एवं ट्रैफिक लाइट लगाने का काम प्रारंभ कर दिया गया है। आगे नगर आयुक्त ने इस सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने व्यवसायियों से सहयोग का अनुरोध किया और कहा कि व्यावसायिक इलाकों में सफाई के उद्देश्य से दुकान खुलने के बाद दोनों पालियों में कूड़ा संग्रहित करने के लिए नगर निगम के वहां जायेंगे,उनमें ही कूड़ा डाले सड़क पर नहीं फेंके। इस-के साथ ही आगे आश्वासन दिया कि इस प्रकार की बैठकें समय समय पर चैंबर के साथ आयोजित की जाएंगी। अंत में सहसचिव जय कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभा की कार्यवाही समाप्त की घोषणा की गई है।

इनर व्हील क्लब ऑफ गया सिटी के द्वारा होली मिलन समारोह का किया गया आयोजन

संवाददाता, दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी।इनर व्हील क्लब ऑफ गया सिटी के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया है ।इसकी अध्यक्षता सीमा भदानी ने की जिसमें उनका साथ स अध्यक्ष स्मिता भदानी, कोषाध्यक्ष कंचन कुमार,आई एस ओ प्रीति कुमारी, एडिटर शिवानी वर्णवाल ने दिया है। कार्यक्रम की शुरूआत जनरल मीटिंग से हुई जिसमें सभी पीठासीन पदाधिकारी अपने-अपने कार्यों की विस्तृत जानकारी दीं है । संयोगवश उसी दिन सी जी आर शिखा रानीजी का जन्मदिन था तो उनके हाथों केक कटवाया गया है। सभी सदस्य एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामना दीं है। फिर गेम का आयोजन हुआ जिसमें सदस्यों ने भाग लिया और विजयी भी हुई ।होली के गानों पर सभी क्लब सदस्यों ने झुमकर नृत्य भी किया है। अंत में होली दावत का भी लुत्फ उठाया है । इस कार्यक्रम में पी पी आशा मित्तल,प्रेमलता भदानी, शोभा कांधवे, चन्द्रलेखा प्रसाद, प्रभादेवी, निशा सेठ और बाकी सदस्यों ने भी खूब जमकर मस्ती किया ।हमारा इनर व्हील क्लब कभी समाजसेवा ,तो कभी मनोरंजक कार्यक्रम आयोजित करता रहता है ताकि सदस्यों में एकजुटता और समरसता बनी रहे हैं ।इसकी जानकारी क्लब एडिटर ने दिया है।

अग्निवीर सेना भर्ती को लेकर प्रशासन ने शुरू की तैयारियां, 5 मार्च से होगा आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

गयाजी। आगामी 5 मार्च से शुरू होने वाली अग्निवीर सेना भर्ती को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। अग्निपथ योजना के तहत आयोजित होने वाली इस भर्ती प्रक्रिया को सफल एवं सुव्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से मंगलवार को मगध विश्वविद्यालय के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई है। बैठक में सेना भर्ती निदेशक कर्नल आर. मदन मोहन सहित सेना के वरिष्ठ अधिकारी, जिलाधिकारी शशांक शुभंकर एवं वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार उपस्थित रहे। बैठक के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों को भर्ती प्रक्रिया के दौरान आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बताया गया कि आगामी 05 मार्च 2026 से 20 मार्च 2026 तक बोधगया स्थित मगध विश्वविद्यालय परिसर में अग्निपथ योजना के अंतर्गत सेना भर्ती का आयोजन किया जाएगा। इसमें जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के भाग लेने की संभावना है। प्रशासन द्वारा अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यातायात व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा व्यवस्था एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पुलिस विभाग को कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा भीड़ नियंत्रण के लिए पर्याप्त बल तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल टीम एवं एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है, जबकि नगर निगम को सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है। वहीं परिवहन विभाग को यातायात सुचारु रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अधिकारियों ने बताया कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराई जाएगी। जिला प्रशासन ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे समय पर पहुंचें, नियमों का पालन करें तथा किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। प्रशासन की ओर से हर संभव सुविधा उपलब्ध कराने का भरोसा दिया गया ।

अगुवानी गंगा घाट पर बनेगा बिहार का सबसे आधुनिक मॉडल शवदाह गृह

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया जिले के परबत्ता प्रखंड स्थित उत्तरवाहिनी अगुवानी गंगा घाट पर बिहार का सबसे आधुनिक मॉडल शवदाह गृह बनाया जाएगा। इसकी जानकारी परबत्ता विधायक बाबु लाल शौर्य ने दी। उन्होंने बताया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लेकर प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और निर्माण कंपनी द्वारा स्थल निरीक्षण के बाद प्रारंभिक रिपोर्ट भी सौंप दी गई है। निर्माण एजेंसी के तकनीकी विशेषज्ञों ने घाट का बार-ीकी से निरीक्षण करते हुए स्थल की भौगोलिक स्थिति, पहुंच मार्ग तथा आवश्यक संरचनात्मक पहलुओं का मूल्यांकन किया।

निरीक्षण के बाद अब डिजाइन तैयार करने और निर्माण प्रक्रिया प्रारंभ करने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ जनप्रतिनिधियों की सक्रियता भी बढ़ी है।

विधायक बाबु लाल शौर्य ने बताया कि मॉडल शवदाह गृह में बिहार स-रकार द्वारा पक्का चिता मंच, शेड, लकड़ी भंडारण कक्ष, पानी, बिजली, प्रतीक्षालय और शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। आने वाले समय में लकड़ी और बिजली दोनों के सहयोग से शवदाह की सुविधा विकसित करने की भी योजना है। उन्होंने कहा कि परिसर में साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुगम पहुंच मार्ग तथा परिजनों के बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी, ताकि अंतिम संस्कार सम्मानजनक ढंग से संपन्न हो सके। यह मॉडल शवदाह गृह पूरे बिहार के लिए एक उदाहरण बनेगा और क्षेत्रवासियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने चौसा, मधेपुरा में एक नए बैंकिंग आउटलेट के साथ बिहार में अपनी मौजूदगी मजबूत की

दैनिक बिहार पत्रिका

चौसा, बिहारः उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने चौसा, मधेपुरा, बिहार में अपने नए बैंकिंग आउटलेट के उद्घाटन की घोषणा की है, जिससे राज्य में इसकी मौजूदगी और मजबूत हुई है। इस लॉन्च के साथ, बिहार में बैंक का नेटवर्क 282 आउटलेट तक बढ़ गया है, जो फाइनेंशियल इनक्लूजन को बढ़ाने और कम सेवा वाले क्षेत्रों में किफायती बैंकिंग समाधान देने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। नया खुला आउटलेट से-विंग्स अकाउंट, करंट अकाउंट, फिक्स्ड डिपॉजिट, रिकरिंग डिपॉजिट, और हाउसिंग लोन, बिजनेस लोन, प्रॉपर्टी पर लोन जैसे कई तरह के लोन प्रोडक्ट के साथ-साथ इंश्योरेंस और इन्वेस्टमेंट आ-फरिंग जैसी कई तरह की सर्विस देगा। सुरक्षित डिजिटल प्लेटफॉर्म के साथ, कस्टमर आसानी से बैंकिंग सर्विस का इस्तेमाल कर सकते हैं। इस विस्तार पर कमेंट करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिट-ड के एमडी और सीईओ, श्री गोविंद सिंह ने कहाः ह्लचौसा में हमारा विस्तार फाइनेंशियल इनक्लूजन को गहरा करने के हमारे लक्ष्य से जुड़ा है। यह ब्रांच लोगों, एंटरप्रेन्योर्स और छोटे बिजनेस को जरूरी फाइनेंशियल सर्विस तक पहुंचने में मदद करेगी, जिससे उन्हें बचत करने, इन्वेस्ट करने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। हम बैंकिंग को आसान, इनक्लूसिव और एम्पावर करने वाला बनाने की दिशा में काम करना जारी रखेंगे। यह आउटलेट जॉइंट लायबिलिटी ग्रुप (खछत्र्) लेंडिंग मॉडल के तहत माइक्रो बैंकिंग सर्विस भी देगा, जिसे उन लोगों और छोटे ग्रुप के लिए डिजाइन किया गया है जिनके पास ट्रेडिशनल क्रेडिट तक पहुंच नहीं है, ताकि फाइनेंशियल एम्पावरमेंट और कम्युनिटी डेवलपमेंट को बढ़ावा मिले। कस्टमर बैंकिंग आउटलेट, माइक्रो अळट, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, वढकऔर कॉल सेंटर सहित कई टचपॉइंट के जरिए सर्विस का इस्तेमाल कर सकते हैं। बैंक की ह्लडिजी ऑन बोर्डिंगह्व पहल शाखा में जाए बिना डिजिटल रूप से खाता खोलने में सक्षम बनाती है।

Utkarsh Small Finance Bank Limited (Utkarsh SFBL), incorporated on April 30, 2016, is a listed entity focused on providing banking and financial services to underserved and unserved communities. Headquartered in Varanasi, Uttar Pradesh, the Bank commenced operations on January 23, 2017, after receiving the Small Finance Bank license from the Reserve Bank of India on November 25, 2016.

The Bank offers a comprehensive suite of digital services including internet banking, mobile banking, Digi on Boarding, UPI, and online account opening. With a wide network of ATMs and Micro ATMs, Utkarsh SFBL enables convenient and accessible banking across rural and semi urban regions.

दाखिल-खारिज में 37 मामलों की अनियमितता पर राजस्व अधिकारी पर नहीं हुई अब तक ठोस कार्रवाई

संवाददाता, दैनिक बिहार पत्रिका

सुपौल जिले के राजस्व अधिकारी र-ाकेश कुमार अपने कारनामों को लेकर खूब चर्चा में बना हुआ है। जानका-री के अनुसार, ऑनलाइन दाखिल-खारिज मामलों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब को लेकर जिला स्तर पर लगातार शिकायतें मिल रही थीं। 25 नवंबर 2025 को आयोजित राजस्व समीक्षा बैठक में भी यह बात सामने आई कि 75 दिनों से अधिक समय से 58 मामले लंबित थे। इनमें कई मामलों में आपत्तियां तो दर्ज की गईं, लेकिन उनका स्पष्ट कारण उल्लेखित नहीं था। इसके बाद भूमि सुधार उप समाहर्ता, त्रिवेणीगंज द्वारा जांच कराई गई। जांच प्रतिवेदन (पत्र-ांक 408, दिनांक 26/11/2025) के अनुसार, अधिकांश अनियमितताओं में तत्कालीन राजस्व अधिकारी र-ाकेश कुमार की कार्यशैली पर सवाल उठे। ऑनलाइन दाखिल-खारिज मामलों का निष्पादन 35 दिनों के भीतर होना चाहिए, लेकिन कई मामलों में समयसीमा का पालन नहीं किया गया। प्रशासनिक नियमों की अनदेखी और संभावित व्यक्तिगत हितों की आशंका को गंभीर मानते हुए राजस्व अधिकारी को त्रिवेणीगंज अंचल से मुक्त कर स्थापना शाखा, सुपौल में प्रतिनियुक्त किया गया। इसी क्रम में अंचल अधिकारी प्रियंका सिंह से भी स्पष्टीकरण तलब किया गया था, जिसका जवाब उन्होंने 31 दिसंबर 2025 को प्रस्तुत किया। इस-के बावजूद जिला प्रशासन ने 21 मामलों में अनियमितता को गंभीर मानते हुए अनुमंडल पदाधिकारी और भूमि सुधार उप समाहर्ता को संयुक्त रूप से आरोप पत्र गठित कर साक्ष्य सहित प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। शेष 37 मामले में लगे गंभीर आरोप में राजस्व अधिकारी राकेश कुमार अब तक किसी प्रकार की सख्त कार्रवाई नजर नहीं आई है, इधर, स्थानीय लोगों का कहना है कि राजस्व अधिकारी के स्थानांतरण के बाद अंचल में दाखिल-खारिज कार्यों में पारदर्शिता और समयबद्धता आई है। रैयतों के साथ व्यवहार में सुधार तथा कार्यालय की कार्यप्रणाली में बदलाव की चर्चा भी क्षेत्र में हो रही है। राजस्व अधिकारी राकेश कुमार जब तक त्रिवेणीगंज आंचल में थे उन्होंने अंचल को दलालों का आधा बना दिया, बिना पैसा के राजस्व अधिकारी राकेश कुमार राजस्व संबंधित कार्य को लंबित रखना उनका आदतन था, जिला प्रशासन राकेश कुमार को हटाकर यहां को लोगों को राहत भरी संदेश दिया। नागरिकों का कहना है कि यदि आरोप सही हैं तो दोषी राजस्व अधिकारी पर सख्त का-र्रवाई की जानी चाहिए। ताकि भ्रष्ट अधिकारी को सबक मिल सके। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से सीईओ प्रियंका पर एक मौका देते हुए आरोप पत्र नहीं गठित करने की मांग करते हुए राजस्व अधिकारी राकेश कुमार पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रही है, फिलहाल, पूरे मामले पर जिला प्रशासन की आगे की कार्रवाई पर सबकी नजर टिकी है।

गोगरी में दिव्यांगजन होली मिलन समारोह की तैयारी तेज

28 फरवरी को होगा होली मिलन एवं सम्मान समारोह

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया जिले की दिव्यांगजन कल्याण समिति द्वारा गोगरी प्रखंड के रजिस्ट्री मोड़ स्थित दुर्गा मंदिर प्रांगण में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक मंगलवार शाम 4 बजे आयोजित हुई, जिसमें दिव्यांगजन होली मिलन समारोह के आयोजन को लेकर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता दिव्यांगजन कल्याण समिति के जिलाध्यक्ष पवन कुमार पासवान ने की, जबकि अनुमंडल अध्यक्ष संदीप कुमार पटेल ने कार्यक्रम का संचालन किया। जिलाध्यक्ष पवन कुमार पास-वान ने जानकारी देते हुए बताया कि आगामी 28 फरवरी को दिव्यांगजन होली मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। संगठन के सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से कार्यक्रम को सफल बनाने का निर्णय लिया।बैठक में संगठन के सुजीत कुमार, रामदेव कुमार, रणवीर कुमार, प्रीतम कुमार, राहुल कुमार, प्रेम कुमार, प्रवीण कुमार, दिलीप पासवान एवं विनय कुमार मिश्रा सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संगठन ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए व्यापक तैयारी करने का संकल्प लिया।

एक नजर

पसराहा में शराब पीकर उत्पात मचाने वाला युवक गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया जिले के पसराहा थाना क्षेत्र अंतर्गत पीपरपाती गांव में सोमवार देर रात एक युवक द्वारा शराब के नशे में घर पर उत्पात मचाने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही पसराहा पुलिस मौके पर पहुंची और उपद्रव कर रहे युवक को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान दिनेश सिंह के पुत्र सनोज कुमार के रूप में की गई है। थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि सनोज कुमार पूर्व में भी शराब पीने के आरोप में जेल जा चुका है और उसका पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। इस मामले में पसराहा थाना कांड संख्या 36/2026 दर्ज कर संबंधित धाराओं में प्राथमिकी की गई है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने कहा कि शराब के नशे में उत्पात मचाने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई जारी रहेगी, ताकि क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था कायम रहे। स्थानीय लोगों ने भी इस कार्रवाई का समर्थन करते हुए कहा कि बार-बार होने वाली ऐसी घटनाओं से ग्रामीण परेशान थे।

बिजली चोरी के आरोप में तीन पर प्राथमिकी दर्ज

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया जिले के भरतखंड एवं पसराहा थाना क्षेत्र में बिजली चोरी के मामले में तीन लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। इस संबंध में बिजली विभाग के जेई देवेन्द्र कुमार ने मंगलवार को संबंधित थानों में आवेदन दिया। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि आरोपितों द्वारा स्मार्ट मीटर को बाइपास कर अवैध रूप से बिजली का उपयोग किया जा रहा था। जांच के दौरान अनियमितता पाए जाने के बाद विभाग की ओर से कानूनी कार्रवाई की पहल की गई। पसराहा थानाध्यक्ष नवीन कुमार एवं भरतखंड थानाध्यक्ष अंतिमा कुमारी ने बताया कि प्राप्त आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है। दोषी पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध आगे की विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी।

खगड़िया जंक्शन पर इंटरसिटी ट्रेन से गिरकर बुजुर्ग की मौत

दैनिक बिहार पत्रिका खगड़िया

खगड़िया रेलवे जंक्शन पर मंगलवार को कटिहार से पटना जा रही 15713 अप इंटरसिटी एक्सप्रेस से गिरकर एक बुजुर्ग की मौत हो गई। मृतक की पहचान धनबाद जिले के रामगढ़ निवासी 70 वर्षीय श्यामदेव सिंह के रूप में की गई है। मिली जानकारी के अनुसार श्यामदेव सिंह के दामाद रंजीत कुमार सिंह खगड़िया रेलवे जंक्शन में स्टेशन मास्टर के पद पर कार्यरत हैं। वे अपनी बेटी और दामाद से मिलने 22 फरवरी को खगड़िया आए थे। मंगलवार को अपने घर धनबाद लौटने के लिए प्लेटफॉर्म नंबर एक पर खड़ी इंटरसिटी ट्रेन में चढ़ने के दौरान उनका संतुलन बिगड़ गया और वे नीचे गिर पड़े। घटना के बाद स्थानीय जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने तत्काल उन्हें खगड़िया सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि गिरने से उनके सिर में गंभीर चोटें आई थीं। मृतक के पास से कटिहारझ्रपटना इंटरसिटी ट्रेन के चेयर कार का खगड़िया से फतुहा जंक्शन तक का टिकट बरामद हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। जीआरपी थानाध्यक्ष नरेश कुमार ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

आईआईटी दिल्ली और जिंदल स्टील का समझौता

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईआईटी दिल्ली और जिंदल स्टील ने संरचनात्मक स्टील अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए समझौता किया है। इस साझेदारी से आईआईटी दिल्ली में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित होगा, जो सुरक्षित, टिकाऊ और किफायती निर्माण तकनीकों पर शोध करेगा। यह पहल भारत के निर्माण क्षेत्र को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने और विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। देश में तेजी से बढ़ती अवसंरचना जरूरतों और सुरक्षित निर्माण मानकों को ध्यान में रखते हुए आईआईटी दिल्ली और जिंदल स्टील के बीच हुआ समझौता शैक्षणिक-औद्योगिक सहयोग का नया मॉडल बनकर उभर रहा है। यह पहल न केवल संरचनात्मक स्टील अनुसंधान को गति देगी, बल्कि भविष्य की इमारतों, पुलों और औद्योगिक ढांचों को अधिक सुरक्षित, टिकाऊ और किफायती बनाने में भी अहम भूमिका निभाएगी। विशेषज्ञों का मानना है कि यह साझेदारी भारत के निर्माण क्षेत्र को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के स्तर तक पहुंचाने में मदद कर सकती है। समझौते के तहत संस्थान में एक उत्कृष्टता केंद्र स्थापित किया जाएगा, जो आधुनिक डिजाइन विधियों, नवाचार और बहु-आपदा सहनशील निर्माण तकनीकों पर काम करेगा। यहां उच्च-क्षमता स्टील के उपयोग, जीवन-चक्र लागत में कमी और संरचनात्मक मजबूती बढ़ाने जैसे पहलुओं पर विशेष शोध होगा। यह केंद्र उद्योग और शिक्षाविदों के बीच सेतु का काम करते हुए राष्ट्रीय स्तर का समन्वित इकोसिस्टम तैयार करेगा।

तीन मंजिला मकान में भीषण आग, पांच मासूमों समेत महिला जिंदा जली

दैनिक बिहार पत्रिका

मेरठ,(एजेंसी)। यूपी के मेरठ जिले से सोमवार रात किदवईनगर इलाके में एक कपड़ा व्यापारी के तीन मंजिला मकान में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में परिवार की एक महिला और पांच मासूम बच्चों की जलकर मौत हो गई। किदवईनगर निवासी कपड़ा व्यापारी इकबाल अंसारी का तीन मंजिला मकान है। घर के ग्राउंड फ्लोर पर रेडीमेड कपड़ों का बड़ा गोदाम है, जबकि ऊपर की मंजिलों पर परिवार रहता था। सोमवार रात करीब 9 बजे, अचानक शॉर्ट सर्किट हुआ और आग कपड़ों के गोदाम तक पहुंच गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। कपड़ों का स्टॉक होने की वजह से लपटें इतनी तेज थीं कि उन्होंने चंद मिनटों में पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। ऊपर रह रहे परिवार को नीचे उतरने का मौका तक नहीं मिला और घर धुएं के गुबार में तब्दील हो गया। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन जब टीम अंदर दाखिल हुई, तो वहां का मंजर देखकर दिल भर आया। इस अग्निकांड ने इन 6 लोगों की जान ले ली। जिसमें रुखसार (30) आसिम की पत्नी, अद्दस (3), नबिया (6 माह), इनायत (6 माह) रुखसार के बच्चे, महविश (12) और हम्माद (4) फारूक के बच्चे थे। इस हादसे में दो अन्य लोग भी गंभीर रूप से झुलसे हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए डीएम और एसएसपी तुरंत मौके पर पहुंचे। शुरूआती जांच में यह बात सामने आई है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी, लेकिन वहां रखे सिलेंडर के लीक होने ने आग में घी का काम किया, जिससे धमाका और लपटें और तेज हो गईं। कपड़ा कारोबारी के घर हुए इस हादसे ने पूरे किदवईनगर को गम में डुबो दिया है। एक साथ 5 बच्चों और एक महिला की मौत ने सभी की आंखें नम कर दीं। फॉरेंसिक टीम अभी भी मौके पर मौजूद है ताकि हादसे के तकनीकी कारणों की विस्तृत जांच की जा सके।

जिले के बीपीएल परिवारों की छत पर नि:शुल्क सोलर पैनल लगाने का अवसर, 28 फरवरी तक कर सकते है आवेदन

दैनिक बिहार पत्रिका

गया जी।जिले के गरीब परिवारों के लिए बिजली बिल के बोझ को खत्म करने की दिशा में सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। कुटीर ज्योति (बीपीएल) बिजली उपभोक्ताओं के पास अपनी छत पर निःशुल्क सोलर पैनल लगवाने का सुनहरा मौका है। इस योजना के तहत न केवल बिजली बिल का झंझट खत्म होगा बल्कि दिन के समय पंखे और बल्ब पूरी तरह सूरज की रोशनी से चलेंगे। बिजली कंपनी ने स्पष्ट किया है कि योजना का लाभ लेने के लिए उपभोक्ताओं को 28 फरवरी तक अपनी सहमति देनी होगी। अच्छी बात यह है कि इसके लिए किसी भी सरकारी दफ्तर के चक्कर काटने की जरूरत नहीं है। पूरी प्रक्रिया घर बैठे 'सुविधा एप' के जरिए पूरी की जा सकती है। सरकार की इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देना और निम्न आय वर्ग के परिवारों को आर्थिक राहत देना है। विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल गया ग्रामीण ई. विनोद कुमार ने बताया की करीब 1,60,000 कुटीर ज्योति (ङ्ख) श्रेणी कनेक्शनधारी हैं। इन सभी परिवारों को इस योजना के दायरे में लाने का लक्ष्य है। सोलर पैनल लगने के बाद ग्रिड की बिजली पर निर्भरता कम हो जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं का मासिक खर्च शून्य या नगण्य हो जाएगा। बिजली विभाग के अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से जिले के बीपीएल परिवारों की छत पर निःशुल्क सोलर पैनल लगाने का अवसर, 28 फरवरी तक कर सकते है आवेदन जिले के बीपीएल परिवारों की छत पर निःशुल्क सोलर पैनल लगाने का अवसर, 28 फरवरी तक कर सकते है आवेदन* जल्द आवेदन करें ताकि पहले चरण में ही उनके घर सोलर यूनिट स्थापित की जा सके। कार्यपालक अभियंता ने बताया की अगर आपके पास स्मार्टफोन है तो आप 5 आसान स्टेप्स में आवेदन कर सकते हैं। सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर से 'सुविधा एप्प' डाउनलोड करें। एप में 'रूफटॉप सोलर पैनल स्थापन हेतु सहमति (कुटीर ज्योति)' विकल्प पर क्लिक करें। अपना उपभोक्ता संख्या कंज्यूमर नं दर्ज करें और प्राप्त ओटीपी से वेरिफाई करें। योजना की शर्तों को पढ़कर 'सहमति' प्रदान करते समय आवेदक को किसी एक पता प्रमाण पत्र (जैसे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि) के साथ बीपीएल कार्ड या अन्य पात्रता प्रमाण पत्र जमा करना एवं मांगी गई जानकारी छत का फोटो या एरिया भरकर सबमिट कर दें। जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है वे गया जी जिले के संबन्धित प्रमंडल कार्यालय के सुविधा काउंटर पर या किसी भी वसुधा केंद्र की मदद ले सकते हैं। विभागीय सुविधा काउंटर पर यह सेवा बिल्कुल ही मुफ्त है। सोलर उर्जा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए 25.02.2026 को 09:30 बजे प्रातः से हरिदास सेमीनारी इंटर कालेज गयाजी के प्रेक्षागृह मे सोलर समागम का आयोजन किया गया है जिसमे सभी ईछूक उपभोक्ता सादर आमंजिले के बीपीएल परिवारों की छत पर निःशुल्क सोलर पैनल लगाने का अवसर, 28 फरवरी तक कर सकते है आवेदन* विद्युत कार्यपालक अभियंता विद्युत आपूर्ति प्रमंडल गया ग्रामीण ई. विनोद कुमार ने बताया की करीब 1,60,000 कुटीर ज्योति (ङ्ख) श्रेणी कनेक्शनधारी हैं। इन सभी परिवारों को इस योजना के दायरे में लाने का लक्ष्य है। सोलर पैनल लगने के बाद ग्रिड की बिजली पर निर्भरता कम हो जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं का मासिक खर्च शून्य या नगण्य हो जाएगा। बिजली विभाग के अधिकारियों ने उपभोक्ताओं से आग्रह किया है कि वे अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना जल्द से * जिले के बीपीएल परिवारों की छत पर निःशुल्क सोलर पैनल लगाने का अवसर, 28 फरवरी तक कर सकते है आवेदन* जिले के बीपीएल परिवारों की छत पर निःशुल्क सोलर पैनल लगाने का अवसर, 28 फरवरी तक कर सकते है आवेदन* जल्द आवेदन करें ताकि पहले चरण में ही उनके घर सोलर यूनिट स्थापित की जा सके। कार्यपालक अभियंता ने बताया की अगर आपके पास स्मार्टफोन है तो आप 5 आसान स्टेप्स में आवेदन कर सकते हैं। सबसे पहले गूगल प्ले स्टोर से 'सुविधा एप्प' डाउनलोड करें। एप में 'रूफटॉप सोलर पैनल स्थापन हेतु सहमति (कुटीर ज्योति)' विकल्प पर क्लिक करें। अपना उपभोक्ता संख्या (कंज्यूमर नूंर) दर्ज करें और प्राप्त ओटीपी से वेरिफाई करें। योजना की शर्तों को पढ़कर 'सहमति' प्रदान करते समय आवेदक को किसी एक पता प्रमाण पत्र जैसे आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र आदि) के साथ बीपीएल कार्ड या अन्य पात्रता प्रमाण पत्र जमा करना एवं मांगी गई जानकारी (छत का फोटो या एरिया) भरकर सबमिट कर दें। जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है वे गया जी जिले के संबन्धित प्रमंडल कार्यालय के सुविधा काउंटर पर या किसी भी वसुधा केंद्र की मदद ले सकते हैं। विभागीय सुविधा काउंटर पर यह सेवा बिल्कुल ही मुफ्त है। सोलर उर्जा के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए दिनक 25.02.2026 को 09:30 बजे प्रातः से हरिदास सेमीनारी इंटर कालेज गयाजी के प्रेक्षागृह मे सोलर समागम का आयोजन किया गया है जिसमे सभी ईछूक उपभोक्ता सादर आमंत्रित है

फायरलेस कुकिंग में नवाचार की- छात्राओं ने रचा स्वाद का नया संसार

दैनिक बिहार पत्रिका

बोधगया।मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के स्नातकोत्तर गृह विज्ञान विभाग द्वारा फायरलैस कुकिंग विषय पर एक अभिनव कार्यक्रम ₹बिना आज के स्वैग₹ का सफल आयोजन किया गया है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को बिना आग के पौष्टिक, स्वास्थ्यवर्धक एवं रचनात्मक व्यंजन बनाने के प्रति प्रेरित करना तथा स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में फिजियोथेरपी विभाग की निदेशक श्रीमती पूनम सिंह उपस्थित रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में छात्राओं की रचनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि फायरलेस कुकिंग न केवल समय और ऊर्जा की बचत करती है, बल्कि भोजन के पोषक तत्वों को भी सुरक्षित रखती है। बिना पकाए या कम प्रोसेस किए गए खाद्य पदार्थों में विटामिन, खनिज एवं एंजाइम्स अधिक मात्रा में सुरक्षित रहते हैं, जो शरीर के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं। उन्होंने संतुलित आहार, स्वच्छता एवं नवाचार के महत्व पर भी विशेष प्रकाश डाला।

गृह विज्ञान विभाग का इस कार्यक्रम के पीछे प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में पोषण संबंधी जागरूकता बढ़ाना, व्यावहारिक कौशल विकसित करना तथा उन्हें ऐसे विकल्पों से परिचित कराना है, जिनके माध्यम से सीमित संसाधनों में भी स्वस्थ एवं संतुलित भोजन तैयार किया जा सके। साथ ही, यह पहल पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा बचत और सतत जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में भी एक सार्थक प्रयास है।इस कार्यक्रम के दौरान छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के आकर्षक एवं पौष्टिक बिना आग के व्यंजन प्रस्तुत किए गए, जिनमें कुकुम्बर बोट, ब्रेड दही बड़ा, मल्टीग्रेन स्प्राउट्स चाट, योगर्ट बेरी पार्फे, पीनट बटर एनर्जी बाइट्स, चिया सीड पुडिंग, कॉर्न-एप्पल सलाद, ओट्स-डेट्स लड्डू एवं ड्राई फ्रूट रोल्स जैसे नवाचारी व्यंजन विशेष आकर्षण का केंद्र रहे हैं।

इन व्यंजनों में स्वाद, प्रस्तुति एवं पोषण का संतुलित समन्वय देखने को मिला है। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वयन विभाग की समस्त छात्राओं शिक्षकों एवं कर्मचारियों के मार्गदर्शन में किया गया है।

गया जंक्शन: 2-3 नम्बर प्लेटफॉर्म पर पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण

दैनिक बिहार पत्रिका गया

गया जी पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू रेल मंडल अंतर्गत गया जंक्शन पर प्लेटफॉर्म संख्या दो और तीन पर चल रहे पुनर्विकास कार्यों का कंस्ट्रक्शन एजेंसी से जुड़े आधिकारिक टीम ने विस्तृत निरीक्षण किया है। टीम ने बन रहे एयर कॉनकोर्स के विशाल पिलरों की मजबूती और निर्माण गुणवत्ता का जायजा लिया तथा प्लेटफॉर्म फर्श निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप और तय समय-सीमा के भीतर पूरे किए जाएं। निरीक्षण के दौरान प्लेटफॉर्म दो और तीन पर यात्रियों की सुविधा के लिए प्रस्तावित लिफ्ट के फाउंडेशन कार्य की भी बारीकी से जांच की गई।

तकनीकी पहलुओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों ने मजबूती और सुरक्षा मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करने पर जोर दिया है। विश्वस्तरीय स्टेशन का स्वरूप देने की दिशा में चल रहे हैं इस कार्य का निरीक्षण रेल कंस्ट्रक्शन एजेंसी के जीएम बीके सिंह, पीएमसी (कंस्ट्रक्शन) अखिलानंद शास्त्री, प्रोजेक्ट मैनेजर संजय कुमार सिन्हा और सनोज कुमार ने किया। अधिकारियों ने कहा कि स्टेशन के आधुनिकीकरण का उद्देश्य यात्रियों को अत्याधुनिक और विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है, इसलिए निर्माण की गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्लेटफॉर्म संख्या दो और तीन पर यात्री सुविधाओं के विस्तार और आधुनिक संरचनाओं के निर्माण को लेकर 21 मार्च तक मेगा ब्लॉक लगाया गया है। इस अवधि में कुछ ट्रेनों के परिचालन में आंशिक बदलाव भी किया गया है। अधिकारियों ने विश्वास जताया कि कार्य पूरा होने के बाद दोनों प्लेटफॉर्म अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और आधुनिक स्वरूप में नजर आएंगे। निरीक्षण के अंत में संबंधित एजेंसियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

काउंसिल चुनाव में आचार संहिता उल्लंघन पर 79 प्रत्याशी निलंबित

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाई कोर्ट परिसर में बार काउंसिल चुनाव की मतगणना के दौरान आचार संहिता उल्लंघन का मामला सामने आया। रिटर्निंग ऑफिसर ने 79 प्रत्याशियों को निलंबित किया था। हालांकि, स्पष्टीकरण के बाद 63 प्रत्याशियों का निलंबन वापस ले लिया गया। जानकारी के अनुसार, मतगणना प्रक्रिया के दौरान चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 79 प्रत्याशियों को निलंबित किया गया था। यह कार्रवाई चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के उद्देश्य से की गई। हालांकि, बाद में संबंधित प्रत्याशियों द्वारा स्पष्टीकरण और जवाब दाखिल किए जाने के बाद समीक्षा की गई। जांच के बाद 63 प्रत्याशियों का निलंबन वापस ले लिया गया। सूत्रों के अनुसार, मतगणना के दौरान नियमों के पालन को लेकर सख्ती बरती जा रही है और चुनाव अधिकारियों द्वारा पूरे घटनाक्रम पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। फिलहाल शेष प्रत्याशियों के मामलों को लेकर आगे की प्रक्रिया जारी है और चुनाव प्राधिकरण द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

सुपौल में 20 हजार रिश्वत लेते सर्वे अमीन विक्रम कुमार गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका सुपौल

सुपौल जिले में निगरानी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सर्वे अमीन को 20 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई मंगलवार को निर्मली नगर वार्ड संख्या 1 स्थित नाग मंदिर के पास की गई, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार मरौना अंचल क्षेत्र के खोरमा गांव निवासी रिटायर्ड दफादार जय नारायण यादव से जमीन सर्वे के नाम पर सर्वे अमीन विक्रम कुमार द्वारा 50 हजार रुपये रिश्वत की मांग की गई थी। शिकायतकर्ता ने राशि दो किस्तों में देने की बात कही थी। तय योजना के तहत पहली किस्त के रूप में 20 हजार रुपये लेकर उन्हें नाग मंदिर के पास बुलाया गया था। इससे पूर्व जय नारायण यादव ने पूरे मामले की शिकायत निगरानी विभाग में दर्ज कराई थी। शिकायत की सत्यता की जांच के बाद निगरानी विभाग, पटना की टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही सर्वे अमीन ने रिश्वत की रकम ली, टीम ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। निगरानी विभाग के पुलिस उपाधीक्षक नरेंद्र कुमार ने कार्रवाई की पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपी को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद पटना ले जाया जा रहा है, जहां आगे की पूछताछ और कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि आरोपी सर्वे अमीन निर्मली नगर वार्ड 1 स्थित बद्री नारायण साह के मकान में किराये के कमरे में रह रहा था, जहां उसने रिटायर्ड दफादार को रुपये लेकर बुलाया था। इस कार्रवाई के बाद राजस्व विभाग में हलचल मच गई है। स्थानीय लोगों ने निगरानी विभाग की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि इससे भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

जिला जनता दरबार में 6 आवेदनों पर सुनवाई, त्वरित कार्रवाई के निर्देश

दैनिक बिहार पत्रिका सुपौल

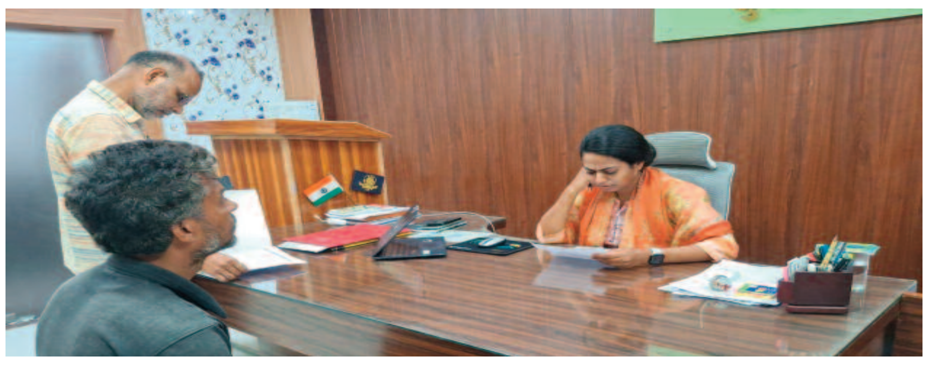

सुपौल समाहरणालय में सोमवार को जिला प्रशासन के निर्देश पर आयोजित जिला जनता दरबार में आम लोगों की समस्याओं की सुनवाई की गई। जिलाधिकारी सावन कुमार के आदेशानुसार उप विकास आयुक्त सारा असरफ की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए फरियादियों की शिकायतों को गंभीरता से सुना गया। जनता दरबार में कुल छह आवेदन प्राप्त हुए। उप विकास आयुक्त सारा असरफ ने सभी मामलों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को त्वरित, निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्रवाई करने का स्पष्ट निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जनता दरबार का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे जिला प्रशासन तक पहुंचाने का अवसर देना है, ताकि उनका समाधान समयबद्ध ढंग से हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि प्रत्येक आवेदन की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और आवेदकों को कार्रवाई की अद्यतन जानकारी उपलब्ध कराई जाए। कुछ मामलों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश देकर प्रक्रिया शुरू कर दी गई। जनता दरबार में पहुंचे लोगों ने प्रशासन की पहल की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें अपनी बात सीधे अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिला, जिससे न्याय मिलने की उम्मीद बढ़ी है। उप विकास आयुक्त ने कहा कि जनता दरबार का आयोजन नियमित रूप से किया जाएगा, ताकि प्रशासन और आमजन के बीच विश्वास और मजबूत हो सके।

जेएनयू कैंपस में 2 गुटों में हिंसक झड़प के बाद केस दर्ज

दैनिक बिहार पत्रिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिंसक झड़प के बाद कैंपस में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और घटना के समय मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों से भी पूछताछ की जा रही है। फिलहाल यूनिवर्सिटी में स्थिति सामान्य बताई जा रही है, हालांकि एहतियातन वहां पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी कैंपस में रविवार देर रात हुई हिंसा की घटना को लेकर दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक यूनिवर्सिटी के चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर की शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की गई है। कैंपस में रविवार देर रात एक विरोध प्रदर्शन के दौरान वामपंथी और दक्षिणपंथी विचारधारा वाले 2 छात्र संगठनों के बीच हिंसक झड़प हो गई जिसमें कई छात्र घायल भी हो गए। पुलिस को मिली शिकायत में बताया गया कि रविवार की आधी रात के वक्त जेएनयू छात्रसंघ (जेएनयूएसयू) के नेताओं और उनके सहयोगियों के खिलाफ हिंसक घटना हुई। इस झड़प के बाद सुरक्षा व्यवस्था को लेकर यूनिवर्सिटी प्रशासन ने तुरंत पुलिस से संपर्क किया, और इसके बाद संबंधित थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया।

(चिंतन-मनन)

कहीं आप भी पाप की पूंजी तो जमा नहीं कर रहे

क्या आपने कभी किसी के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरूद्ध आवाज उठायी है। किसी कमजोर और लाचार को पिटता देखकर मदद के लिए आगे आएं हैं। अगर आपने ऐसा नहीं किया है तो समझ लीजिए आपने अपने खाते में पाप की पूंजी जमा कर ली है। जिस प्रकार से पाप और पुण्य को परिभाषित किया गया है उसके अनुसार जो व्यक्ति किसी को कष्ट में देखकर उसकी मदद नहीं करता है। किसी के भय से अथवा अपने स्वार्थ के कारण झूठ बोलता है और शरण में आये व्यक्ति की रक्षा नहीं करता है वह पापी है।

बाज की बातों को सुनकर राजा शिवि ने कहा कि कबूतर मैं तुम्हें नहीं दूंगा अगर कोई अन्य उपाय है तो बताओ। बाज ने कहा कि कबूतर के मांस के बराबर मुझे मांस दे दीजिए इससे मेरा काम हो जाएगा। राजा ने विचार किया कि एक जीव को बचाने के लिए दूसरे जीव का कष्ट देना पाप होगा। यही सोच कर राजा ने कबूतर को तराजू के एक पलडे में डाल दिया और अपने शरीर से मांस काटकर दूसरे पलड़े में रखने लगे। लेकिन काफी मांस रखने के बाद भी पलड़ा हिला तक नहीं। अंत में राजा शिव स्वयं दूसरे पलड़े पर बैठ गये और बाज से कहा कि तुम मुझे खाकर अपनी भूख शांत कर लो। राजा के इस दयालुता और शरण में आये हुए कि मदद करने की भावना को देखकर कबूतर अग्नि देव और बाज देवराज इन्द्र के रूप में प्रकट हुए। आसमान से फूलों की वर्षा होने लगी। देवराज इन्द्र ने कहा कि तुम ने धर्म की लाज रखी है। जो शरण में आये की रक्षा नहीं करता वह पापी है। कमजोर की सहायता न करने वाला भी अधर्मी है। दोनों देवताओं ने राजा शिवि को आशीर्वाद दिया और स्वर्ग चले गये।

सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी फ्रीबीज बनाम रोजगार की बहस तेज

देश में मुफ्त योजनाओं को लेकर चल रही बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एक बार फिर तीखी टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि यदि सरकारें सुबह से शाम तक लोगों को मुफ्त राशन गैस और बिजली देती रहेंगी तो लोग काम क्यों करेंगे। इससे काम करने की आदत खत्म हो सकती है। अदालत ने स्पष्ट किया कि सरकारों को रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए ताकि लोग सम्मानपूर्वक अपनी आजीविका कमा सकें।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने यह टिप्पणी तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। कंपनी ने ऐसे प्रावधान को चुनौती दी है जिसमें उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति देखे बिना सभी को मुफ्त बिजली देने का प्रस्ताव रखा गया है। अदालत ने सवाल उठाया कि जो लोग भुगतान करने में सक्षम हैं और जो नहीं हैं उनके बीच बिना कोई अंतर किए मुफ्त सुविधा देना क्या तुष्टीकरण की नीति नहीं है।

पीठ में जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली भी शामिल थे। अदालत ने कहा कि देश के अधिकांश राज्य राजस्व घाटे से जूझ रहे हैं और इसके बावजूद विकास कार्यों की बजाय मुफ्त घोषणाओं पर जोर दिया जा रहा है। न्यायालय ने यह भी पूछा कि चुनावों के आसपास ऐसी योजनाओं की घोषणा क्यों की जाती है और क्या इससे वित्तीय अनुशासन प्रभावित नहीं होता।

अदालत की टिप्पणी ऐसे समय आई है जब राज्यों की वित्तीय स्थिति पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार 19 राज्यों की कुल सब्सिडी का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा केवल बिजली सब्सिडी पर खर्च होता है। वर्ष 2024 25 में राज्यों का संयुक्त राजकोषीय घाटा सकल घरेलू उत्पाद का 3.3 प्रतिशत रहा है। मार्च 2025 तक राज्यों पर कुल कर्ज जीडीपी का 27.5 प्रतिशत रहा और अगले वर्ष इसके 29 प्रतिशत से अधिक होने का अनुमान है। ब्याज भुगतान की दर भी राजस्व वृद्धि से तेज गति से बढ़ रही है।

तमिलनाडु में घरेलू उपभोक्ताओं को हर दो महीने में लगभग 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाती है। पंजाब में बड़ी मात्रा में बिजली सब्सिडी दी जा रही है। दिल्ली में सीमित यूनिट तक बिजली और पानी मुफ्त या रियायती दर पर उपलब्ध है। बिहार और हिमाचल प्रदेश में भी घरेलू उपभोक्ताओं को निर्धारित सीमा तक मुफ्त बिजली दी जा रही है। कई राज्यों में किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली उपलब्ध कराई जाती है। इन योजनाओं का उद्देश्य राहत देना है परंतु इनके दीर्घकालिक आर्थिक प्रभावों को लेकर बहस जारी है।

सुप्रीम कोर्ट ने इससे पहले भी मुफ्त राशन और अन्य रियायतों पर चिंता जताई थी। अदालत ने कहा था कि अनिश्चितकाल तक मुफ्त वितरण से लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने के बजाय निर्भरता बढ़ सकती है। हालांकि न्यायालय ने यह भी माना कि गरीबों और जरूरतमंदों को राहत देना कल्याणकारी राज्य की जिम्मेदारी है। प्रश्न यह है कि सहायता लक्षित होनी चाहिए या सार्वभौमिक।

भारत में मुफ्त योजनाओं का इतिहास नया नहीं है। 1950 और 1960 के दशक में मद्रास राज्य में कामराज ने मुफ्त शिक्षा और मध्याह्न भोजन की शुरूआत की थी। बाद के दशकों में तमिलनाडु आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों में सस्ती दर पर चावल वितरण की योजनाएं आईं। समय के साथ मुफ्त टीवी साइकिल लैपटॉप और घरेलू उपकरण तक चुनावी वादों का हिस्सा बने। 2015 के बाद दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में मुफ्त बिजली और पानी प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बन गया। महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा और प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता जैसी योजनाएं भी विभिन्न राज्यों में लागू हुईं।

समर्थकों का तर्क है कि सामाजिक असमानता वाले देश में कमजोर वर्गों को बुनियादी सुविधाएं देना सरकार का दायित्व है। शिक्षा स्वास्थ्य भोजन और ऊर्जा जैसी आवश्यक सेवाओं पर राहत से जीवन स्तर सुधरता है और मानव संसाधन मजबूत होता है। आलोचकों का कहना है कि यदि योजनाएं वित्तीय क्षमता से अधिक हों तो विकास परियोजनाओं पर असर पड़ता है और कर्ज का बोझ बढ़ता है। इससे आने वाली पीढ़ियों पर भार पड़ सकता है।

अदालत ने संतुलन की आवश्यकता पर जोर दिया है। उसने कहा कि सरकारों को ऐसी नीतियां बनानी चाहिए जो लोगों को आत्मनिर्भर बनाए। रोजगार सृजन कौशल विकास और उद्योगों को प्रोत्साहन दीर्घकालिक समाधान हो सकते हैं। साथ ही लक्षित सब्सिडी व्यवस्था से वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सकती है।

फ्रीबीज बनाम विकास की यह बहस आने वाले समय में और तेज होने की संभावना है। राज्यों के सामने चुनौती यह है कि वे सामाजिक सुरक्षा और वित्तीय अनुशासन के बीच संतुलन कैसे स्थापित करें। सुप्रीम कोर्ट की ताजा टिप्पणी ने इस मुद्दे को फिर राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ला दिया है। अब देखना होगा कि राजनीतिक दल और सरकारें इस पर किस प्रकार की नीति अपनाती हैं और क्या भविष्य में मुफ्त योजनाओं के लिए कोई स्पष्ट दिशानिर्देश तय किए जाते हैं।

कार्टेल के खिलाफ जंग और मेक्सिको की अग्निपरीक्षा

मेक्सिको में कुख्यात ड्रग सरगना नेमेसियो ओसेगेरा सर्वांतिस उर्फ ह्यएल मेंचोह्न के मारे जाने की खबर के बाद हुई भारी हिंसा से मेक्सिको को अनिश्चितता के दौर में लाकर खड़ा कर दिया है। आम जनता सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन करती नजर आई है। नशे के कारोबार में (सीजेएनजी) प्रमुख के रूप में ड्रग लॉर्ड को न केवल मेंक्सिको, बल्कि अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का केंद्रीय चेहरा माना जाता था। मेक्सिको की सरकार इस कार्रवाई को बड़ी उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत कर रही है। किंतु ड्रग सरगना के मारे जाने के तुरंत बाद भड़की आगजनी, हाईवे जाम और सुरक्षा कर्मियों पर हमले से यह सवाल उठता है, क्या किसी सरगना के मारे जाने पर जनता का विद्रोह इस रूप में देखने को मिल सकता है? एल मेंचो पर अमेरिका की सरकार ने बड़ा इनाम घोषित किया था। डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल से ही मेक्सिको पर ड्रग तस्करी के खिलाफ कठोर कार्रवाई का दबाव अमेंरिका की सरकार बनाती रही है। फेंटानिल संकट ने अमेंरिका की आंतरिक राजनीति को झकझोर दिया है, इसका प्रभाव द्विपक्षीय संबंधों पर पड़ना तय है। मेक्सिको की हिंसा केवल आंतरिक सुरक्षा का प्रश्न नहीं है, बल्कि इसका असर अमेंरिका सहित अन्य देशों पर भी पड़ना तय है। यह घटना भू-राजनीतिक समीकरणों से भी जुड़ी दिखती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है, क्या यह मेक्सिको की संप्रभु रणनीति का हिस्सा है, या अमेंरिकी दबाव का परिणाम है। इतिहास बताता है कि कार्टेल के शीर्ष नेता को मार देने से इस समस्या का हल नहीं होता है। इससे ड्रग के कारोबार, राजनीतिक एवं सामाजिक संबंधों में स्थिरता संभव नहीं है। 2016 में जोक्विन एल चापो गुजमान की गिरफ्तारी के बाद भी बड़े पैमाने पर हिंसा हुई थी। आम जनता और सत्ता के बीच संघर्ष बढ़ा था। संगठित अपराध का नेटवर्क समानांतर व्यवस्था की तरह संचालित होता है। एक चेहरा हटता है, तो उसके कई दावेदार उभरते हैं। गैंग में वर्चस्व की लड़ाई आम नागरिकों की सुरक्षा और जीवन यापन के लिए सबसे बड़ा खतरा बनती है। एल मेंचो की मौत के बाद इस तरह की घटनाएं इसी आशंका को पुष्ट कर रही हैं। ड्रग कारोबार और राजनीतिक संरक्षण का मूल मेक्सिको, अमेंरिका एवं कई अन्य देशों तक फैला हुआ है। दशकों से मेक्सिको में फैली गरीबी, बेरोजगारी, राजनीतिक संघर्ष, भ्रष्टाचार और कमजोर तथा भ्रष्ट न्यायिक व्यवस्था से जुड़ता है। मेक्सिको के सीमावर्ती इलाकों में प्रशासनिक पकड़ हमेंशा से कमजोर रही है। नशे के कारोबारी और इससे जुड़े हुए लोगों की समानांतर सत्ता चलती है। नशे के कारोबार में लगे अपराधी तत्व जिस तरह से काम करते हैं, उससे स्थानीय कारोबारियों को वसूली के डर से नियंत्रण और सीमापार तस्करी इनके साधन हैं। ऐसे में सैन्य कार्रवाई समाधान नहीं हो सकती है। मेक्सिको सरकार के लिए यह दोहरी चुनौती है। एक ओर सरकार के ऊपर तत्काल कानून-व्यवस्था बहाल कर नागरिकों में भरोसा कायम करना है, दूसरी ओर दीर्घकालिक सुधारों पर गंभीरता से काम करना होगा। मेक्सिको में न्यायिक पारदर्शिता, गवाहों की सुरक्षा, नशे की कारोबार में नेटवर्क पर वित्तीय प्रहार और पुलिस सुधार अनिवार्य है। सरकार, पुलिस और प्रशासन के बीच का भ्रष्टाचार रोकना, संस्थागत ढांचे को मजबूत नहीं किया तो यह ह्लजीतह्व अस्थायी साबित होगी। इसके साथ ही, इसका असर अमेंरिका में भी पड़ना तय है। अमेंरका की सुरक्षा एजेंसियों और सरकार को भी आत्ममंथन करने की जरूरत है। जब तक अमेंरिका में नशीली दवाओं की मांग बनी रहेगी, आपूर्ति के नए रास्ते और नए गिरोह समय-समय पर उभरते रहेंगे। नशे का कारोबार केवल मेक्सिको की समस्या नहीं है। यह अंतरराष्ट्रीय समस्या है। इससे निपटने के लिए साझा जिम्मेंदारी जरूरी है। दबाव की नीति के बजाय सहयोग, खुफिया साझेदारी और सामाजिक पुनर्वास कार्यक्रमों पर ध्यान देना होगा। एल मेंचो का अंत प्रतीकात्मक जीत हो सकती है, असली परीक्षा तो अब शुरू होगी। यदि मेक्सिको में सुशासन और पारदर्शिता चाहिए तो भुखमरी और बेरोजगारी को दूर करने के लिए सामाजिक निवेश की ठोस रणनीति बनानी होगी। तभी नशे के कारोबार के गैंगस्टरों की छाया से मेक्सिको बाहर निकल पाएगा। इतिहास खुद को दोहराने में देर नहीं करता है। नशे के कारोबार का अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क है, इसमें भारी पैसा है। इस नेटवर्क को इस तरह से खत्म नहीं किया जा सकता है, जिस तरह से अभी कार्रवाई की गई है। कार्यवाही के पश्चात जिस तरह के हालात मेक्सिको के बन गए हैं, उस चुनौती से निपटना सरकार की सबसे बड़ी चुनौती है। अमेरिका इस मामले में मेक्सिको की क्या मदद करता है, यह भी देखना होगा।

राजस्थान में बसों के पहिए थमे, जिम्मेदारी भी ठहरी प्रशासन की सुस्ती से यात्री सड़कों पर

राजस्थान में निजी बस ऑपरेटर्स की अनिश्चितकालीन हड़ताल ने आमजन के सामने एक बार फिर यह प्रश्न खड़ा कर दिया है कि जब परिवहन व्यवस्था का बड़ा हिस्सा निजी हाथों में हो और वह अचानक ठप हो जाए, तो प्रशासन की वैकल्पिक तैयारी कहाँ है। जयपुर, कोटा, अजमेर, सीकर और उदयपुर सहित कई शहरों में सोमवार रात 12 बजे से निजी बसों का संचालन रुक गया। ऑपरेटर्स का दावा है कि प्रदेश की लगभग 35 हजार कॉन्ट्रैक्ट कैरिज, स्टेज कैरिज और लोक परिवहन बसें बंद हैं, जिनसे प्रतिदिन 15 लाख से अधिक यात्री सफर करते हैं। यदि यह आंकड़ा सही है तो यह केवल हड़ताल नहीं, बल्कि प्रदेश की जीवनरेखा पर लगा ब्रेक है।

राजधानी जयपुर के सिंधी कैंप बस स्टैंड पर मंगलवार सुबह से लंबी कतारें दिखाई दीं। यात्री घंटों इंतजार करते रहे, कई को बसें नहीं मिलीं। रोडवेज बसों में ठसाठस भीड़ रही। पुलिसकर्मी यात्रियों को लाइन में चढ़ाने की कोशिश करते दिखे, लेकिन सवाल यह है कि क्या केवल लाइन लगवाना ही प्रशासनिक तैयारी कहलाता है। कोटा के बालाजी मार्केट बस स्टैंड से एक भी निजी बस नहीं निकली। सीकर में भी निजी बसें बंद रहीं। अजमेर में तो निजी बस ऑपरेटर्स ने 28 फरवरी को होने वाली प्रधानमंत्री की रैली के लिए भी बसें उपलब्ध न कराने की घोषणा कर दी। हालांकि जोधपुर में हड़ताल का असर सीमित रहा और कई निजी बसें सामान्य रूप से चलती रहीं, जिससे यह भी स्पष्ट होता है कि स्थिति पूरी तरह एकसमान नहीं है।

हड़ताल का कारण परिवहन विभाग की कार्रवाई को बताया जा रहा है। बस संचालकों का आरोप है कि आरसी सस्पेंड की जा रही हैं, भारी-भरकम चालान काटे जा रहे हैं, पुरानी गाड़ियों पर धारा 153 लगाई जा रही है, रास्ते में सवारियों से भरी बसों को खाली कराया जा रहा है और लगेज कैरियर लगाने की अनुमति नहीं दी जा रही। यदि विभाग नियमों का पालन करवा रहा है तो पारदर्शिता के साथ संवाद क्यों नहीं हो पाया। यदि कहीं अति हो रही है तो उसका परीक्षण क्यों नहीं हुआ। सचिवालय में वार्ता के बावजूद सहमति न बन पाना प्रशासनिक संवादहीनता का संकेत है।

कटाक्ष यह है कि हमारे प्रशासनिक तंत्र को अक्सर संकट के बाद सक्रिय होते देखा जाता है। जब हजारों यात्री बस स्टैंड पर भटकने लगते हैं, तब अतिरिक्त बसों की घोषणा की जाती है। रोडवेज अधिकारियों का कहना है कि जरूरत पड़ी तो राउंड बढ़ाए जाएंगे। प्रश्न यह है कि जरूरत का आकलन पहले क्यों नहीं किया गया। यदि प्रदेश में 15 लाख से अधिक लोग प्रतिदिन निजी बसों से यात्रा करते हैं तो हड़ताल की आशंका भर से एक आपात योजना तैयार हो जानी चाहिए थी। केवल बयान जारी कर देना कि व्यवस्था कर ली जाएगी, पर्याप्त नहीं है।

उदयपुर में ट्रैवल्स एसोसिएशन के पदाधिकारी धरने पर बैठे हैं। उनका कहना है कि जिन बसों का रजिस्ट्रेशन विभाग ने किया, उन्हीं के परमिट निरस्त किए जा रहे हैं और फिटनेस रद्द की जा रही है। यदि यह सही है तो नीति और क्रियान्वयन में तालमेल की कमी स्पष्ट है। वहीं प्रशासन का पक्ष है कि नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह पर अड़े हैं, लेकिन पीस रहा है आम यात्री। होली और खाटूश्याम मेले के कारण पहले से ही भीड़ अधिक है। ऐसे समय में परिवहन ठप होना केवल असुविधा नहीं, बल्कि प्रशासनिक असंवेदनशीलता का उदाहरण बन जाता है।

प्रशासन की जवाबदेही केवल कानून लागू करने तक सीमित नहीं हो सकती। उसे यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कानून लागू करते समय जनजीवन बाधित न हो। परिवहन विभाग को चाहिए कि वह स्पष्ट और लिखित गाइडलाइन जारी करे जिसमें यह बताया जाए कि किन परिस्थितियों में आरसी सस्पेंड होगी, किन मामलों में धारा 153 लगेगी, चालान की अधिकतम सीमा क्या होगी और अपील की प्रक्रिया क्या है। यदि नियम स्पष्ट और समान रूप से लागू होंगे तो विवाद की गुंजाइश कम होगी। साथ ही एक संयुक्त समन्वय समिति बनाई जा सकती है जिसमें परिवहन विभाग, रोडवेज और निजी बस संघों के प्रतिनिधि शामिल हों, ताकि किसी भी कार्रवाई से पहले संवाद का रास्ता खुला रहे।

प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि हड़ताल के दौरान किसी प्रकार का चक्का जाम या अवरोध आमजन के लिए नई समस्या न बने। कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण वार्ता को प्राथमिकता दी जाए। यदि कुछ अधिकारी अपनी कार्रवाई से अनावश्यक विवाद पैदा कर रहे हैं तो उनकी भी जवाबदेही तय हो। पारदर्शी जांच और समयबद्ध समाधान ही विश्वास बहाल कर सकते हैं।

निजी बस संचालकों की मांगें पूरी तरह सही हैं या नहीं, यह अलग विषय है, लेकिन यह तय है कि व्यवस्था का भार केवल यात्रियों पर नहीं डाला जा सकता। सरकार और प्रशासन को मिलकर ऐसी ठोस और दीर्घकालिक नीति बनानी होगी जिससे नियमों का पालन भी हो और सेवा भी बाधित न हो। परिवहन जैसी मूलभूत सुविधा को टकराव का माध्यम नहीं बनने दिया जा सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि प्रशासन सक्रिय, संवेदनशील और जवाबदेह बने, ताकि बसों के पहिए फिर चलें और जनता को राहत मिले।

सत्ता के शिखर पर सड़ती नैतिकता: एपस्टीन फाइल्स और सफेदपोश दरिंदगी

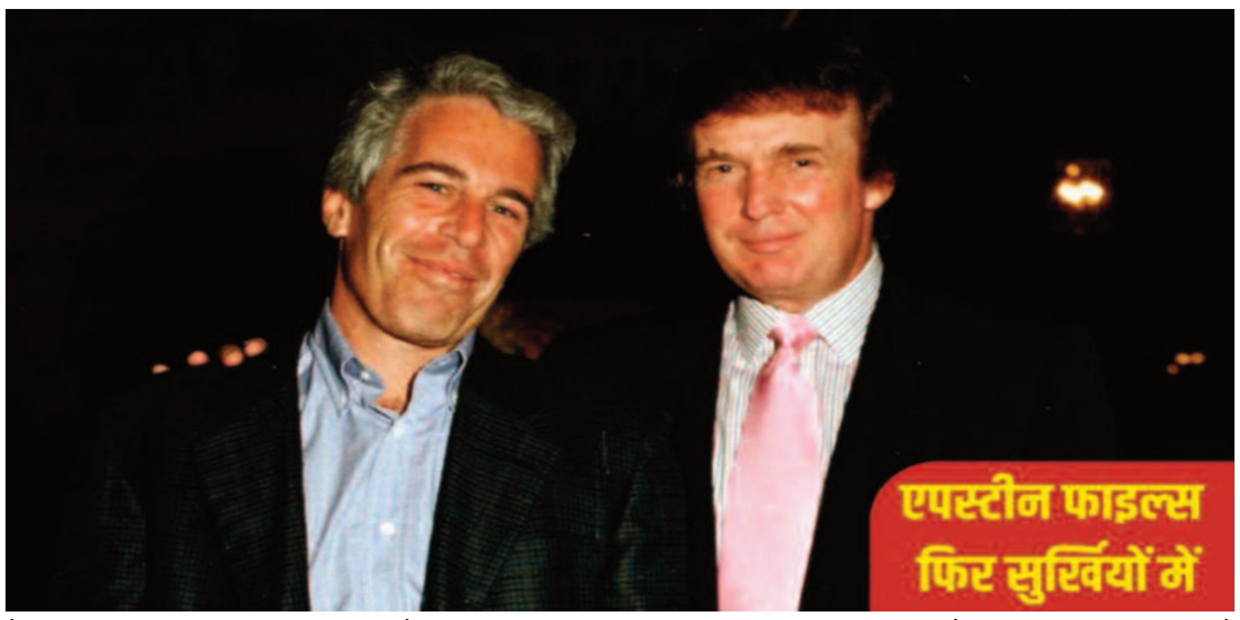

आज जब हम सभ्यता के शिखर पर होने का दंभ भरते हैं, तब जेफरी एपस्टीन जैसी फाइलें हमारे सामूहिक विवेक पर एक गहरा घाव दे जाती हैं। एपस्टीन फाइल्स केवल कुछ नामों की सूची नहीं है, बल्कि यह उस सड़ी-गली मानसिकता का कच्चा चिट्ठा है, जो सत्ता, पैसे और रसूख के नशे में अंधे होकर मानवता को शर्मसार करती रही है। यह मामला दिखाता है कि कैसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोग—चाहे वे राजनीतिज्ञ हों, व्यवसायी हों या वैज्ञानिक—एक ऐसे घृणित चक्र का हिस्सा थे, जहाँ मासूमियत का व्यापार होता था। वैश्विक परिदृश्य में देखें तो एपस्टीन का द्वीप लिटिल सेंट जेम्स आधुनिक युग के नरक जैसा था। अमेरिका से लेकर यूरोप तक के बड़े-बड़े नाम इस दलदल में फँसे नजर आते हैं। अमेरिकी अदालती दस्तावेजों और जांच रिपोर्टों के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन, ब्रिटेन के प्रिंस एंड्रयू, डोनाल्ड ट्रम्प, वैज्ञानिक स्टीफन हॉकिंग और अरबपति बिल गेट्स जैसे रसूखदार व्यक्तियों के नाम इस प्रकरण से जुड़ने से पूरी दुनिया सन्न रह गई। यह कड़वा सच केवल सात समंदर पार तक सीमित नहीं है; जांच की आंच ने भारत के गलियारों को भी छुआ है। विदेशी मीडिया और अदालती फाइलों में कुछ रसूखदार भारतीय नामों का उल्लेख होना इस बात का प्रमाण है कि इस वैश्विक पाप के तार हमारे समाज के रसूखदारों से भी जुड़े थे। यह स्वीकार करना पीड़ादायक है कि जिस भारत ने दुनिया को नैतिकता सिखाई, उसके कुछ प्रभावशाली चेहरे भी उस घृणित नेटवर्क का हिस्सा होने के संदेह के घेरे में आए हैं। भारत के परिदृश्य में यदि हम इस घटनाक्रम को देखें, तो यह हमारे लिए एक गंभीर चेतावनी है। भारत, जो अपनी संस्कृति में यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते का उद्घोष करता है, आज वहां भी पश्चिमी विकृतियों का प्रभाव बढ़ रहा है। एपस्टीन जैसी फाइलें हमें आईना दिखाती हैं कि एलीट क्लास के नाम पर हम किस ओर जा रहे हैं। भारत में भी अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं जहाँ रसूखदार लोग कानून को ठेंगा दिखाकर जघन्य अपराधों से बच निकलते हैं। एपस्टीन फाइल्स हमें सतर्क करती हैं कि यदि हमने अपनी नैतिक जड़ों को नहीं संभाला, तो धन का अहंकार हमारी आने वाली पीढ़ियों को भी लील जाएगा। यह संकट केवल कानूनी नहीं, बल्कि गहरे नैतिक पतन का संकेत है। जब समाज का अभिजात वर्ग अपनी वासनाओं की पूर्ति के लिए मासूम बच्चों का शिकार करने लगे, तो समझ लेना चाहिए कि हमारी प्रगति का ढांचा खोखला हो चुका है। यह घृणित मानसिकता उस सोच से पैदा होती है जहाँ पैसा इंसान को भगवान और दूसरों को मात्र वस्तु बना देता है। विडंबना यह है कि इनमें से कई लोग दुनिया को नैतिकता और विकास का पाठ पढ़ाते थे, जबकि उनका अपना आचरण अंधकारमय था। क्या हम ऐसे समाज का निर्माण कर रहे हैं जहाँ न्याय केवल गरीबों के लिए है और अमीरों के लिए प्राइवेट आइलैंड पर अपराध की खुली छूट? हमें अपनी न्याय व्यवस्था और सामाजिक ढांचे को इतना पारदर्शी बनाना होगा कि कोई भी रसूखदार खुद को कानून से ऊपर न समझे। यदि आज हम इन सफेदपोश अपराधियों के खिलाफ खड़े नहीं हुए, तो आने वाला इतिहास हमें कभी माफ नहीं करेगा। मासूमों की सुरक्षा और समाज की शुचिता बनाए रखना हम सबकी साझा जिम्मेदारी है। नैतिकता के आधार पर यह घृणित मानसिकता एक मानसिक बीमारी है। यह उस उपभोगवादी संस्कृति का चरम है, जहाँ मनुष्य को वस्तु समझा जाने लगता है। जब कोई व्यक्ति इतना शक्तिशाली हो जाता है कि उसे लगने लगे कि वह कानून से ऊपर है, तब मानवता का पतन निश्चित है। एपस्टीन के द्वीप पर जो हुआ, वह केवल देह का शोषण नहीं था, वह विश्वास, बचपन और आत्मा का सामूहिक कत्ल था। उन मासूम लड़कियों की चीखें उन आलीशान महलों की दीवारों में दफन हो गईं, जिनका निर्माण कथित सभ्य समाज के नायकों ने किया था। हमें यह समझना होगा कि अपराध केवल वह नहीं है जो एपस्टीन ने किया, बल्कि अपराध वह भी है जो उन रसूखदारों ने मौन रहकर किया। चुप्पी भी एक अपराध है, विशेषकर तब जब वह चुप्पी किसी मासूम की गरिमा की कीमत पर खरीदी गई हो। आज दुनिया को इन फाइलों के माध्यम से उन चेहरों को पहचानना होगा जो दिन के उजाले में परोपकारी होने का ढोंग करते हैं और रात के अंधेरे में मानवता को नीलाम करते हैं। समय आ गया है कि न्याय केवल फाइलों में बंद न रहे, बल्कि उन सभी लोगों को बेनकाब किया जाए जिन्होंने सत्ता के गलियारों को शोषण का अड्डा बनाया। अंततः, समाज को यह तय करना होगा कि हमारे नायक कौन होंगे?

यमुना सिटी में जल्द मिलेगा आवास बनाने का मौका

नोएडा,एजेंसी। नोएडा इंटरनेशल एयरपोर्ट के पास 973 आवासीय भूखंडों की योजना शुरू की जाएगी। यूपी रेरा ने आपत्तियां दूर होने के बाद योजना को मंजूरी दे दी है। इसी महीने योजना शुरू होने की उम्मीद है।यमुना सिटी के सेक्टर 15-सी, सेक्टर-18 और सेक्टर 24-ए में 973 आवासीय भूखंडों की योजना प्रस्तावित है। नोएडा इंटरनेशल एयरपोर्ट के पास 973 आवासीय भूखंडों की योजना शुरू की जाएगी। यूपी रेरा ने आपत्तियां दूर होने के बाद योजना को मंजूरी दे दी है। इसी महीने योजना शुरू होने की उम्मीद है।यमुना सिटी के सेक्टर 15-सी, सेक्टर-18 और सेक्टर 24-ए में 973 आवासीय भूखंडों की योजना प्रस्तावित है। इसमें सर्वाधिक 965 भूखंड 150 से 200 वर्गमीटर के होंगे। इसके अलावा 200 से 250 वर्गमीटर के छह भूखंड और 250 से 500 वर्गमीटर के दो भूखंड हैं। यह प्रस्ताव दो महीने पहले यूपी रेरा को भेजा गया था। रेरा ने योजना पर एकमुश्त भुगतान, लीज टू एग्रीमेंट की शर्त लगाई थी, जिसे अब यीडा ने मान लिया है। ऐसे में माना जा रहा है कि भूखंडों की आवासीय योजना जल्द शुरू हो जाएगी। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) के अधिकारियों का कहना है कि इसी महीने या फिर मार्च के पहले हफ्ते में ही योजना शुरू करने पर विचार है।

मेडिकल डिवाइस में कई कंपनी आएंगी : मेडिकल डिवाइस पार्क में भी 8000 वर्गमीटर तक के 22 भूखंडों की योजना में 28 फरवरी तक आवेदन कर सकेंगे। सेक्टर-28 में इन सभी भूखंडों पर अगले महीने तक नई कंपनियां आ सकेंगी। मेडिकल डिवाइस में निवेश को बढ़ावा देने के लिए हाल ही में यीडा टीम ने दुबई में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लिया था। यीडा के सीईओ आरके सिंह का कहना है कि शहर धीरे-धीरे आकार ले रहा है। ऐसे में यमुना सिटी में हर तरह की सुविधाएं देने की कोशिश की जा रही।

होटल और अस्पताल भी शुरू कर सकेंगे : यमुना सिटी में होटल, दुकान, उद्योग, नर्सरी स्कूल और शिशुग्रह बनाने का भी मौका है। इसके लिए आवेदन करने की तारीख बढ़ाई गई है। यीडा के अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में चार और पांच सितारा होटल के लिए 28 जनवरी को सेक्टर-28 और 29 में 10 भूखंडों की योजना शुरू की गई थी। इनमें आवेदन करने की तिथि 28 फरवरी तक बढ़ा दी गई है। इसी के साथ व्यावसायिक फुट प्रिंट के सेक्टर-22ए में आठ भूखंड और दुकान के लिए सेक्टर-18 और 20 में 10 भूखंडों की योजना भी लाई गई है। सेक्टर-22ई, 20 और 18 में पांच अस्पतालों के लिए भूखंड योजना में 25 फरवरी तक आवेदन किया जा सकता है।

प्ले स्कूल भी खुलेंगे : यीडा ने सेक्टर- 17, 22डी व 18 में नर्सरी स्कूल व शिशु गृह की तीन-तीन भूखंडों पर योजना शुरू की है। इन योजनाओं में पांच मार्च तक आवेदन किए जा सकते हैं। सभी भूखंड आवासीय सेक्टर में हैं। यहां आबादी तेजी से बढ़ रही है। आवासीय सेक्टरों में अब तक 1100 से अधिक मकान बनकर तैयार हो चुके हैं, लेकिन शहर में बच्चों के लिए स्कूलों का अभाव है। यहां छोटे बच्चों के लिए प्ले स्कूल की सुविधा होगी।

स्पेशल चेकिंग में ट्रेन से 100 क्वार्टर अंग्रेजी शराब बरामद, यात्री फरार

जोधपुर एजेंसी।। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में चलाए जा रहे विशेष जांच अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई सामने आई है। 22 फरवरी को जैसलमेर से रवाना हुई ट्रेन संख्या 20491 जैसलमेर-साबरमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस के जनरल कोच में संदिग्ध ट्रॉली बैग मिला। सीनियर डीसीएम हितेश यादव ने बताया कि वाणिज्य निरीक्षक नटवरदान चारण ने 23 फरवरी की रात रानीवाड़ा और भीलड़ी स्टेशनों के बीच बैग की जांच की। पूछताछ के दौरान संदिग्ध यात्री मारवाड़ रतनपुर स्टेशन के पास ट्रेन धीमी होते ही बैग छोड़कर फरार हो गया। तलाशी में बैग से करीब 100 क्वार्टर अंग्रेजी शराब बरामद हुई। बरामद माल को जीआरपी जालोर को सौंप दिया गया।

घर में आग लगने से एक परिवार के 5 बच्चे और 1 महिला की मौत

मेरठ एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मेरठ में बड़ा हादसा हो गया। लिसाड़ी गेट थाना क्षेत्र के इस्लामाबाद गली नंबर-3 स्थित कपड़ों के व्यापारी इकबाल के मकान में अचानक भीषण आग लगने से 5 बच्चों और 1 महिला की जिंदा जलकर मौत हो गई। एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पुलिस, फायर ब्रिगेड और एसपी और डीएम मौके पर पहुंचे। फायर ब्रिगेड ने आग बुझाने के बाद शवों को बाहर निकाला गया। हादसे के वक्त घर के पुरुष नमाज पढ़ने मस्जिद गए थे। मोहम्मद फारुख ने बताया, ÷वह नमाज पढ़ने गए थे, तभी पड़ोसी से घर में आग लगने की सूचना मिली। मौके पर पहुंचे तो पता चला कि परिवार को अस्पताल लाया गया है। यहां पहुंचकर पता चला कि मेरी बेटी की मौत हो गई है। इसके अलावा भाई की पत्नी रुखसार, भतीजा अकदस और दो जुड़वा बेटियों अनामिका-इनाया की मौत हो गई। एसएसपी अविनाश पांडे ने बताया, ÷सोमवार शाम करीब 8¬49 बजे लिसाड़ी गेट इलाके में हमें हाजी इकबाल के घर में आग लगने की सूचना मिली। तीन मिनट के भीतर ही 112 नंबर की आपातकालीन गाड़ी मौके पर पहुंच गई, जिसके बाद अन्य अधिकारी और दमकलकर्मी भी आ गए। घर में फंसे सात लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने 1 महिला और 5 बच्चों को मृत घोषित कर दिया। एक घायल महिला का इलाज चल रहा है। अभी तक शार्ट-सर्किट से आग लगने की आशंका है। बिजली विभाग और फायर ब्रिगेड द्वारा जांच की जा रही है। जिला मजिस्ट्रेट वीके सिंह ने बताया, ÷किदवई नगर, लिसाड़ी गेट स्थित एक आवासीय मकान में आग लग गई और इसकी सूचना हमें रात करीब 9 बजे मिली। आग लगने के कारण की जांच विद्युत विभाग और अग्निशमन विभाग दोनों ने की है।

दिल्ली के पुल प्रह्लादपुर थाने में युवक की संदिग्ध अवस्था में मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी पूर्वी जिले में पुलिस अभिरक्षा में व्यक्ति की मौत का मामला सामने आया है। स्वजन ने जहां प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है, वहीं पुलिस ने इससे इनकार किया है। जानकारी के मुताबिक थाने से 150 मीटर की दूरी पर प्रॉपर्टी डीलर शेर सिंह का मकान है। पास में ही अर्जुन नामक व्यक्ति से प्रॉपर्टी को लेकर उनका तीन वर्ष से विवाद चल रहा है। आस-पास के लोगों के मुताबिक सोमवार को दोनों में विवाद होने पर पुलिस शेर सिंह को थाने ले गई। जहां उनकी तबीयत बिगड़ी। मुंह से झाग निकलने लगा। उन्हें हास्पिटल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। वहीं पुलिस का कहना था कि दोनों के बीच विवाद उनके घर के बाहर ही हुआ। सूचना पर पुलिस जब मौके पर पहुंची तो शेर की तबीयत बिगड़ी मिली।

शुगर डैडी की तलाश में थी लड़की बेंगलुरु विला गैंगरेप केस में बड़ा ट्विस्ट

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु के रेक्स विला में 19 वर्षीय छात्रा से कथित गैंगरेप केस में बड़ा ट्विस्ट आया है। मुख्य आरोपी ने पीड़िता और उसके साथी पर हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग कर पैसे ऐंठने की क्रॉस-एफआईआर दर्ज कराई है। जानें इस हाई-प्रोफाइल मामले की पूरी सच्चाई। शुगर डैडी की तलाश में थी लड़की? बेंगलुरु विला गैंगरेप केस में बड़ा ट्विस्ट, पीड़िता पर ही लगे आरोप बेंगलुरु के एक विला में हुई कथित गैंगरेप की घटना में एक नया मोड़ आ गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, मुख्य आरोपियों में से एक ने 19 वर्षीय पीड़िता द्वारा यौन उत्पीड़न की शिकायत दर्ज कराने से ठीक एक दिन पहले पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोपी का दावा है कि छात्रा और पत्रकार होने का नाटक करने वाले उसके एक साथी ने उसे ब्लैकमेल कर पैसे ऐंठने की कोशिश की है।

आरोपी का दावा¬ ब्लैकमेलिंग और जबरन वसूली की साजिश : आरोपी ने 21 फरवरी को अपनी एफआईआर दर्ज कराई थी। अपने बयान में उसने कई बातें कही हैं। आरोपी राजाजीनगर में सेकंड-हैंड कारों का व्यवसाय करता है और जक्कुर में लीज पर एक विला चलाता है, जिसे वह छोटे इवेंट्स के लिए किराए पर देता है। उसके दोस्त डिक्सन ने 14 से 16 फरवरी तक वैलेंटाइन डे के लिए यह विला बुक किया था। आरोपी का दावा है कि वह 14 फरवरी को रात लगभग 2 बजे पार्टी में पहुंचा, जहां वह उस छात्रा से मिला। उसके अनुसार, लड़की ने अपनी निजी समस्याएं शेयर कीं और बहुत अधिक करीब आने की कोशिश की, जिसे उसने नजरअंदाज किया।

शुगर बेबी का दावा : आरोपी के मुताबिक, सुबह 4 बजे पार्टी खत्म होने के बाद लड़की ने उससे ड्रॉप मांगा। रास्ते में उसने कथित तौर पर खुद को एक शुगर बेबी बताया जिसे एक शुगर डैडी की तलाश थी और आरोपी से ऐसे लोगों से संपर्क कराने को कहा। आरोपी ने उसे राजाजीनगर की एक बेकरी के पास ड्रॉप कर दिया।

पैसे की मांग और धमकी : आरोपी का आरोप है कि 18 फरवरी को लड़की ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर उस पर और एक अन्य व्यक्ति पर नशा देकर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया। इसके तुरंत बाद उसे राज न्यूज के क्राइम ब्रांच हेड इमरान के नाम से फोन आने लगे। कॉलर ने अकेले में मिलने और मामले को सेटल्ड करने के लिए पैसों की मांग की। साथ ही धमकी दी कि अगर पैसे नहीं दिए गए तो उनके पास एक बदनाम करने वाला टीवी प्रोमो तैयार है जिसे प्रसारित कर दिया जाएगा। दूसरी ओर, तमिलनाडु की मूल निवासी और बेंगलुरु में पिछले 5 महीने से रहकर फर्स्ट ईयर बीए की पढ़ाई कर रही इस 19 वर्षीय छात्रा ने डिक्सन सांडो और निखिल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा की डिक्सन सांडो (21) से जनवरी में इंस्टाग्राम पर जान-पहचान हुई थी। 14 फरवरी की रात कॉलेज और डिनर के बाद, डिक्सन ने उसे नॉर्थ बेंगलुरु के रेक्स विला में पार्टी के लिए बुलाया। वह 15 फरवरी की तड़के अपने एक दोस्त के साथ वहां पहुंची।

छात्रा का आरोप है कि पार्टी में डिक्सन ने उसे निखिल (35) से मिलवाया। दोनों ने उसे जबरन एक गुलाबी गोली खिलाई, जिससे उसे चक्कर आने लगे और वह बेहोश हो गई। इसके बाद विला के एक कमरे में बेहोशी की हालत में उसके साथ यौन उत्पीड़न किया गया। पीड़िता का दावा है कि बीच में उसे थोड़ी देर के लिए होश आया था। बाद में आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी कि वह यह बात किसी को न बताए और उसे एक मॉल के पास छोड़ दिया। डर के कारण उसने तुरंत पुलिस से संपर्क नहीं किया, लेकिन 17 फरवरी को अस्पताल में इलाज कराने और अपने भाई को जानकारी देने के बाद उसने शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस की वर्तमान कार्रवाई : पुलिस ने छात्रा की शिकायत के आधार पर डिक्सन सांडो और निखिल के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता) की संबंधित धाराओं (यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी) के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। वहीं, आरोपी द्वारा दर्ज कराई गई ब्लैकमेलिंग और जबरन वसूली की शिकायत की भी जांच की जा रही है। अधिकारी अब दोनों ही कहानियों की पड़ताल कर रहे हैं ताकि घटना के सही क्रम और सच्चाई का पता लगाया जा सके।

शुगर डैडी क्या है : शुगर डैडी एक ऐसा शब्द है जिसका इस्तेमाल आमतौर पर किसी अमीर और उम्रदराज व्यक्ति (अक्सर पुरुष) के लिए किया जाता है, जो अपने से काफी कम उम्र के व्यक्ति (जिसे शुगर बेबी कहा जाता है) को वित्तीय सहायता, महंगे उपहार या लग्जरी लाइफस्टाइल प्रदान करता है। यह एक तरह का अरेंजमेंट होता है, जिसमें पैसों और भौतिक सुविधाओं के बदले में साथ, डेटिंग या रोमांटिक/शारीरिक संबंध की उम्मीद की जाती है।

कुत्ते ने काट लिया, रेबीज न हो जाए

डर में आकर युवा ने उठाया खौफनाक कदम

ठाणे , एजेंसी। महाराष्ट्र के ठाणे में एक युवा ने रेबीड के लक्षण दिखाई देने के बाद डर की वजह से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि घटनास्थल से बरामद किए गए सुसाइड नोट में भी रेबीज के डर को ही इस कदम का जिम्मेदार बताया है, वहीं उसके घरवालों ने भी इसकी पुष्टि की है।

महाराष्ट्र के कल्याण से एक दिल सहमा देने वाला मामला सामने आया है। यहां कथित तौर पर एक बैंक कर्मचारी ने रेबीज हो जाने के डर से आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि कुछ दिन पहले उसे एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था, इसके बाद उसे डर लग रहा था कि कहीं उसे रेबीज जैसी लाइलाज बीमारी न हो जाए। इसी डर में आकर उसने अपनी जिंदगी को खत्म कर लिया।

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक मृतक की पहचान 30 वर्षीय विश्वनाथ अमीन के रूप में हुई है। वह कल्याण पूर्व के तिसगांव नाका इलाके का रहने वाला था। कुछ दिन पहले ही अमीन को एक आवारा कुत्ते ने काट लिया था। समय रहते उन्होंने रेबीज का इंजेक्शन भी लगवा लिया था, लेकिन इसके बाद भी उनके शरीर में कुछ असामान्य बदलाव होने लगे, जिससे परेशान होकर उन्होंने यह खौफनाक कदम उठा लिया।

अमीन के परिवार के मुताबिक, वह पिछले 8 सालों से ठाणे स्थित भारत बैंक में नौकरी कर रहा था। कुछ दिन पहले जब यह घटना हुई, तो वह बहुत परेशान रहने लगा। इंजेक्शन लगवाने के बाद भी उसे बेहद घबराहट और चिंता के लक्षण महसूस हो रहे थे। उसे लगता था कि उसे रेबीज वायरस से जुड़े लक्षण विकसित हो रहे हैं। इसी की वजह से उसने अपनी जिंदगी को खत्म कर लिया। बाद में परिवार ने पुलिस से संपर्क किया। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है। उसमें भी अमीन ने रेबीज के डर को ही उनके इस कदम की वजह बताया है।

पुलिस ने बताया कि फिलहाल इस मामले में आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है। मामले से जुड़े लोगों से अमीन की स्थिति को लेकर जांच की जा रही है। पुलिस ने बताया कि अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। आत्महत्या के पीछे रेबीज ही वजह थी, या कुछ और यह जांच के बाद ही सामने आएगा।

दिल्ली में बेटी की शादी की इंस्टाग्राम स्टोरी पर खूनखराबा

नई दिल्ली, एजेंसी। सदर बाजार में सोशल मीडिया पर किए गए एक कमेंट को लेकर शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। इंस्टाग्राम पर बेटी की शादी की स्टोरी पर आपत्तिजनक टिप्पणी का विरोध करने पहुंचे एक व्यक्ति की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सतीश कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सतीश की बेटी ने अपनशादी से जुड़ी एक स्टोरी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की थी। आरोप है कि आरोपित अश्वनी की बेटी तान्या ने उस पर अपशब्द लिख दिए। इस पर आपत्ति जताने के लिए सतीश अपनी पत्नी सोनिया और बेटी के साथ अश्वनी के घर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत हुई और मामला शांत होता नजर आया। सतीश का परिवार घर लौटने लगा, तभी अश्वनी के बेटे अमन ने दोबारा झगड़ा शुरू कर दिया।

ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए वर्ल्ड बैंक से मांगा मोटा कर्ज

गुरुग्राम,एजेंसी। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के निर्माण को लेकर गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने विश्व बैंक से ऋण मांगा है। पिछले सप्ताह दूसरे चरण के टेंडर दस्तावेज को विश्व बैंक के पास भेज दिया है। विश्व बैंक से मंजूरी मिलने में करीब एक महीने का वक्त लग सकता है। इसके बाद टेंडर जारी किया जाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए वर्ल्ड बैंक से मांगा मोटा कर्ज, तस्र्क्र ने कितनी रकम का भेजा प्रस्ताव ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना के निर्माण को लेकर गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने विश्व बैंक से ऋण मांगा है। पिछले सप्ताह दूसरे चरण के टेंडर दस्तावेज को विश्व बैंक के पास भेज दिया है। विश्व बैंक से मंजूरी मिलने में करीब एक महीने का वक्त लग सकता है। इसके बाद टेंडर जारी किया जाएगा।

पहले चरण में ये होगा रूट : ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना की लंबाई करीब 28.5 किमी है। जीएमआरए ने पिछले साल सितंबर माह में इस परियोजना के तहत पहले चरण का टेंडर करीब 1277 करोड़ रुपये में जारी कर दिया था। पहले चरण में मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से लेकर सेक्टर-नौ तक मेट्रो रूट तैयार होना है। दूसरे चरण में सेक्टर-नौ से लेकर डीएलएफ साइबर सिटी तक मेट्रो मार्ग को तैयार करना है। तीसरे चरण में सेक्टर-33 में मेट्रो डिपो तैयार किया जाना है। सूत्रों की मानें तो जीएमआरएल ने इस परियोजना के तहत करीब 2880 करोड़ रुपये का ऋण विश्व बैंक से मांगा है।

अभी मेट्रो से नहीं जुड़ेगा रेलवे स्टेशन : जीएमआरएल ने सेक्टर-पांच से लेकर रेलवे स्टेशन तक मेट्रो निर्माण की योजना को ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना में शामिल किया था। सूत्रों ने बताया कि दो किमी लंबे इस मेट्रो मार्ग को लेकर अभी सर्वे नहीं हुआ है। इसके चलते यदि इस मेट्रो मार्ग को इस परियोजना में शामिल किया जाता है तो विश्व बैंक से ऋण मिलने में देरी होगी। फिलहाल इस मेट्रो मार्ग को ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो परियोजना से बाहर कर दिया है। भौंडसी से रेलवे स्टेशन तक अलग से मेट्रो लाइन तैयार की जाएगी।

चतरा एयर एंबुलेंस क्रैश में सात लोगों की मौत

कोलकाता एटीसी से किया था संपर्क

रांची/चतरा, एजेंसी। झारखंड की राजधानी रांची से दिल्ली जा रही रेड बर्ड एविएशन की एक एयर एंबुलेंस सोमवार की देर शाम चतरा जिले में क्रैश हो गई। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, हादसे में विमान पर सवार सभी सात लोगों की मौत हो गई है। यह एयर एंबुलेंस रांची के 41 वर्षीय संजय कुमार को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली ले जा रही थी। वे आग की घटना में गंभीर रूप से झुलस गए थे और देवकमल हॉस्पिटल में भर्ती थे। विमान में मरीज संजय कुमार के अलावा पायलट विवेक विकास भगत और सबराजदीप सिंह, मरीज के परिजन अर्चना देवी और ध्रुव कुमार, डॉक्टर विकास कुमार गुप्ता, और नर्स सचिन कुमार मिश्रा सवार थे। डीजीसीए के अनुसार, इस एयर एंबुलेंस ने रांची से दिल्ली के लिए शाम 7.11 पर उड़ान भरी थी। उड़ान के दौरान, शाम 7.34 बजे, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) से उसका संपर्क अचानक से टूट गया। इसके बाद विमानन अधिकारियों ने तत्काल हाई अलर्ट जारी कर दिया। बताया जा रहा है कि विमान चतरा जिला के सिमरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत करमाटांड़ गांव के पास स्थित जंगल क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। स्थानीय लोगों ने जंगल की ओर तेज आवाज सुनने और धुएं का गुबार उठते देखने की सूचना प्रशासन को दी, जिसके बाद पुलिस और जिला प्रशासन की टीम मौके के लिए रवाना हुई। संपर्क टूटने के तुरंत बाद संबंधित एजेंसियों ने बड़े पैमाने पर सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया। रडार डेटा और विमान की अंतिम लोकेशन के आधार पर सर्च अभियान चलाया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन, पुलिस बल और आपदा प्रबंधन की टीमें संयुक्त रूप से अभियान में जुटी हैं।

जेवर एयरपोर्ट के पास 100 एकड़ में बसेगी इंटरनेशनल थीम बेस्ड रेजिडेंशियल टाउनशिप

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में जेवर एयरपोर्ट के पास 100 एकड़ में अंतरराष्ट्रीय थीम आधारित आवासीय टाउनशिप विकसित होगी। परियोजना में 3,500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। अगले वर्ष तक इसका काम शुरू होने की उम्मीद है।

जेवर एयरपोर्ट के पास 100 एकड़ में बसेगी इंटरनेशनल थीम बेस्ड रेजिडेंशियल टाउनशिप उत्तर प्रदेश में जेवर एयरपोर्ट के पास 100 एकड़ में अंतरराष्ट्रीय थीम आधारित आवासीय टाउनशिप विकसित होगी।

परियोजना में 3,500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। अगले वर्ष तक इसका काम शुरू होने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सिंगापुर दौरे के दौरान सोमवार को यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप ने प्रदेश में 6650 करोड़ रुपये निवेश करने के लिए तीन समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इनमें से दो परियोजनाएं गौतमबुद्ध नगर जिले की यमुना सिटी और नोएडा-ग्रेटर नोएडा में विकसित होंगी। पहली परियोजना के तहत यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यीडा) क्षेत्र में आवासीय टाउनशिप विकसित की जाएगी। यह बड़ी ग्रुप हाउसिंग परियोजना होगी, जहां बहुमंजिला इमारतों में लोगों के रहने का इंतजाम किया जाएगा। दावा किया जा रहा है कि इसके धरातल पर उतरने से लगभग 12,000 लोगों को रोजगार मिलेगा। एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद यीडा के अफसरों ने भूमि की उपलब्धता समेत अन्य बिंदुओं पर कार्ययोजना बनाने का काम शुरू कर दिया है।

सिंगापुर सिटी भी प्रस्तावित : यमुना सिटी के सेक्टर-7 में करीब 500 एकड़ में सिंगापुर सिटी भी प्रस्तावित है। इसका औपचारिक प्रस्ताव बीते दिनों ही प्राधिकरण के अफसरों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजा था। ऐसे में सिंगापुर दौरे पर पहले ही दिन मिली यह सौगात एयरपोर्ट के आसपास तेजी से विकसित हो रहे शहरी क्षेत्र को नई पहचान देगा। इस समझौते के बाद शहर में अब सिंगापुर सिटी के विकसित होने का रास्ता भी खुल गया है।

लॉजिस्टिक्स पार्क : यूनिवर्सल सक्सेस ग्रुप इसके अलावा कानपुर-लखनऊ हाईवे पर 50 एकड़ भूमि में लॉजिस्टिक्स पार्क का भी विकास होगा। इस परियोजना में 650 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है और लगभग 7,500 रोजगार सृजित होने का अनुमान है। इसको भी 2027 में शुरू किए जाने की योजना है।

नोएडा-ग्रेनो में डेटा सेंटर पार्क बनेगा : नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में 10 एकड़ भूमि पर 40 मेगावाट आईटी पावर क्षमता वाला हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क भी स्थापित किया जाएगा। इस परियोजना में 2,500 करोड़ रुपये का निवेश होगा और लगभग 1,500 लोगों को रोजगार मिलेगा। एमओयू के अनुसार, परियोजना को वर्ष 2028 में शुरू करने की योजना है। अधिकारियों के अनुसार, यह निवेश उत्तर प्रदेश को देश के अग्रणी डेटा सेंटर हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में अहम कदम होगा।

गाजियाबाद में रोटरी गोलचक्कर से नागद्वार तक 5 दिन बदलेंगे रास्ते

गाजियाबाद,एजेंसी। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में हिंडन पुल पर निर्माण कार्य के चलते रोटरी गोलचक्कर से नागद्वार के बीच मंगलवार से अगलते पांच दिन तक तक सभी प्रकार के वाहनों का मार्ग परिवर्तित रहेगा।

गाजियाबाद में रोटरी गोलचक्कर से नागद्वार तक 5 दिन बदलेंगे रास्ते, यहां होगा रूट डायवर्जन

दिल्ली से सटे गाजियाबाद में हिंडन पुल पर निर्माण कार्य के चलते रोटरी गोलचक्कर से नागद्वार के बीच मंगलवार से अगलते पांच दिन तक तक सभी प्रकार के वाहनों का मार्ग परिवर्तित रहेगा। गाजियाबाद ट्रैफिक पुलिस ने इस अवधि में सुगम और सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए मार्ग डायवर्जन की ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

द्य पुलिस ने लोगों से वैकल्पिक मार्ग अपनाने की अपील की है। डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन ने बताया कि कार्यदायी संस्था द्वारा रोटरी गोल चक्कर से नागद्वार के बीच हिंडन नदी के पुल पर मरम्मत और निर्माण कार्य कराया जाएगा। कार्य के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना या जाम की स्थिति से बचने के लिए इस मार्ग पर सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। इस संबंध में सोमवार को वाहनों की मार्ग परिवर्तन योजना जारी कर दी गई है।

मार्ग परिवर्तन 24 फरवरी की सुबह 10 बजे से शुरू होकर 28 फरवरी को कार्य समाप्ति तक लागू रहेगा। इस दौरान भारी वाहनों के साथ-साथ छोटे वाहन, दोपहिया और व्यावसायिक वाहन भी प्रतिबंध के दायरे में रहेंगे। अधिकारियों ने बताया कि जरूरत पड़ने पर मौके पर अतिरिक्त यातायात कर्मी तैनात किए जाएंगे, ताकि वैकल्पिक मार्गों पर जाम की स्थिति न बने। डीसीपी ट्रैफिक ने आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित अवधि में प्रतिबंधित मार्ग का प्रयोग न करें। यात्रियों और वाहन चालकों को सलाह दी जाती है कि अपनी यात्रा पहले से प्लान करें और जहां तक हो सके वैकल्पिक रास्तों का इस्तेमाल करें। वाहन चालकों वालों से अपील है कि वे संयम रखें, ट्रैफिक नियमों का पालन करें और ट्रैफिक पुलिस कर्मियों का सहयोग करें उनके निर्देशों का पालन करें।

इन मार्गो से वाहन जा सकेंगे : नागद्वार से रोटरी गोलचक्कर होते हुए एलिवेटेड रोड के जरिए दिल्ली जाने वाले सभी प्रकार के वाहन अब सीधे रोटरी गोलचक्कर की ओर नहीं जा सकेंगे। ऐसे वाहन करहेड़ा कट से पुराना जीटी रोड होते हुए हिंडन रिवर मेट्रो स्टेशन पहुंचेंगे। वहां से रोटरी गोलचक्कर होकर एलिवेटेड मार्ग के जरिए दिल्ली की ओर जा सकेंगे।

रोटरी गोलचक्कर से नागद्वार होते हुए हिंडन एयरफोर्स स्टेशन या अन्य स्थानों की ओर जाने वाले वाहन अब नागद्वार की ओर नहीं मुड़ेंगे। उन्हें रोटरी गोलचक्कर से हिंडन रिवर मेट्रो स्टेशन होते हुए पुराना जीटी रोड से करहेड़ा कट या मोहननगर के रास्ते अपने गंतव्य तक पहुंचना होगा।

दिल्ली की ओर से एलिवेटेड रोड के जरिए रोटरी गोलचक्कर पहुंचने के बाद नागद्वार जाने वाले वाहनों को भी जाने की अनुमति नहीं होगी। ऐसे वाहन सिटी फॉरेस्ट यूटर्न से हिंडन रिवर मेट्रो स्टेशन होते हुए पुराना जीटी रोड और करहेड़ा कट या मोहननगर मार्ग से अपने गंतव्य तक जाएंगे।

नई शादी के तुरंत बाद दुखी हुए शिखर धवन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने 21 फरवरी को अपनी दूसरी शादी रचाई। पिछले साल उन्होंने आयरिश महिला सोफी शाइन को डेट करना शुरू किया था और अब दोनों ने अपने रिश्ते को शादी में बदल लिया है। शादी के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर उनके बारे में कई अफवाहें और झूठे...

भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन ने 21 फरवरी को अपनी दूसरी शादी रचाई। पिछले साल उन्होंने आयरिश महिला सोफी शाइन को डेट करना शुरू किया था और अब दोनों ने अपने रिश्ते को शादी में बदल लिया है। शादी के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर उनके बारे में कई अफवाहें और झूठे पोस्ट वायरल होने लगे, जिन पर धवन ने खुद आकर अपनी सफाई दी और सच्चाई साझा की।

क्या था वो फेक दावा जिसने बढ़ाई धवन की मुश्किल?: इंटरनेट पर एक पोस्ट तेजी से वायरल हो रही थी, जिसमें दावा किया गया कि शिखर की पूर्व पत्नी आयशा ने उन्हें चुनौती दी थी कि वे कभी दूसरी शादी नहीं कर पाएंगे। पोस्ट में यह भी मसाला लगाया गया कि

शिखर ने सोफी से शादी करके अपनी पूर्व पत्नी को मुंहतोड़ जवाब दिया है। यह खबर जब आग की तरह फैली, जिससे शिखर काफी आहत हुए। उन्होंने साफ कर दिया है कि ऐसी कोई भी बातचीत उनके और आयशा के बीच नहीं हुई थी और जो कुछ भी उनके नाम से चलाया जा रहा है, वह पूरी तरह निराधार है।

शिखर धवन का बयान: मैंने सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट देखे हैं, जो मेरे निजी जीवन के बारे में गलत और निराशाजनक बातें बता रहे हैं। मैं कभी भी अपने अतीत को लेकर बोझ नहीं उठाता, चाहे वह पिच पर हो या उससे बाहर।

मैं सकारात्मकता में विश्वास करता हूं और अपने अतीत का सम्मान करता हूं। यह मेरे जीवन का नया अध्याय है, और मैं अपने फैंस, दोस्तों, परिवार, शुभचिंतकों और मीडिया से मिली प्यार और आशीर्वाद के लिए बेहद आभारी हूं। मैं लोगों से दृढ़ता से अनुरोध करता हूं कि मेरे नाम का उपयोग क्लिक-बेट,असंवेदनशील और झूठे बयानों के लिए न करें। आइए, प्यार और सकारात्मकता फैलाएं।

शोएब अख्तर ने टीम इंडिया से पूछा सवाल

'120 की रफ्तार वाले बॉलर से विरोधी टीम को कैसे डराओगे'

नई दिल्ली। भारत को सुपर 8 के पहले ही मुकाबले में साउथ अफ्रीका के हाथों 76 रन से हार मिली और इस हार के बाद टीम इंडिया की कई कमियां एक साथ सामने आ गई। इस हार के बाद डिफेंडिंग चैंपियन को ऐसी मुश्किल स्थिति में डाल दिया है जहां जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बाकी बचे मैचों में जीत भी सेमीफाइनल में जगह पक्की करने के लिए काफी नहीं होगी।

अहमदाबाद में साउथ अफ्रीका के खिलाफ भारत बल्ले और गेंद दोनों से लड़खड़ा गया। बीच के ओवर्स में भारतीय गेंदबाज साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों को रोकने में सफल नहीं हो पाए और स्कोर 180 के पार चला गया। भारत को जीत के लिए 188 का लक्ष्य मिला था, लेकिन टीम इंडिया 111 रन पर ही सिमट गई।

भारतीय गेंदबाजों में थी आइडिया की कम- पाकिस्तान के पूर्व पेसर शोएब अख्तर ने भारत की बॉलिंग की कमजोरी पर जोर दिया। [illegible] पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह के अलावा साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों को रोकने के लिए भारतीय गेंदबाजों में आइडिया की कमी दिखी। उन्होंने कहा कि भारतीय गेंदबाजी की पोल खुल गई है। अगर आप वरुण को देखें तो जिनकी ताकत 97-98 किलोमीटर प्रतिघंटे की स्पीड से बॉलिंग करना है तो वो 94 की स्पीड से बॉल फेंक रहे थे और जब वो अटैक पर आए तो डेवाल्ड ब्रेविस ने उन्हें बिना देखे छक्का मारा। उन्होंने आगे कहा कि दूसरी बात हार्दिक और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी 120 किलोमीटर प्रतिघंटे की स्पीड से बॉलिंग कर रहे थे। ऐसा नहीं है कि वे मैल्कम मार्शल हैं जो साउथ अफ्रीका जैसी बैटिंग लाइन-अप को डरा सकते हैं। अगर आप उन्हें आखिरी ओवरों में गेंदबाजी दे रहे हैं तो प्रोटियाज का ऐसा काउंटर अटैक होना ही था। भारत ने कुलदीप यादव को साउथ अफ्रीका के खिलाफ बेंच पर बिठाकर बड़ी गलती की। शोएब ने कहा कि मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि यहां मिसिंग लिंक कुलदीप यादव हैं। वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो असल में आपको हवा में धोखा दे सकते हैं और जरूरत पड़ने पर विकेट दिला सकते हैं। वह बहुत कॉम्पिटिटिव स्पिनर हैं और हम जानते हैं कि वह कितने बड़े मैच-विनर हैं। उन्होंने आगे कहा कि वरुण और सुंदर एक जैसे स्किलसेट वाले बॉलर हैं और प्रॉब्लम यह थी कि उन दोनों को बैकफुट पर धकेल दिया गया।

कतर ओपन 2026: कार्लोस अल्काराज ने 50 मिनट में जीता खिताब

दोहा । विश्व नंबर एक टेनिस स्टार Carlos Alcaraz ने कतर ओपन 2026 के फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए Arthur Fils को एकतरफा मुकाबले में 6-2, 6-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह मुकाबला महज 50 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज़ पूरी तरह हावी रहे।

2026 में जीत का अटूट सिलसिला: इस जीत के साथ ही अल्काराज़ ने 2026 में लगातार 12 मैच जीतने का रिकॉर्ड कायम रखा है। इससे पहले वह इस साल Australian Open का खिताब भी अपने नाम कर चुके हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर उन्होंने करियर ग्रैंड स्लैम पूरा किया था और चारों ग्रैंड स्लैम जीतने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे। उस ऐतिहासिक उपलब्धि के महज 20 दिन बाद उन्होंने दोहा में एक और ट्रॉफी जोड़ ली।

टूर खिताबों की संख्या पहुंची 26: दोहा में खिताब जीतने के साथ ही अल्काराज़ के करियर के टूर-स्तरीय खिताबों की संख्या अब 26 हो गई है। फाइनल में उन्होंने आक्रामक सर्विस, सटीक ग्राउंड स्ट्रोक और बेहतरीन मूवमेंट का प्रदर्शन किया, जिससे फिल्स को वापसी का कोई मौका नहीं मिला।

अल्काराज़ ने क्या कहा?: खिताब जीतने के बाद अल्काराज़ ने कहा- साल की शुरुआत वाकई बहुत शानदार रही है। मैं अपने खेल से बेहद खुश हूं और इसी लय को आगे भी बरकरार रखना चाहता हूं।

शानदार फॉर्म में स्पेनिश स्टार: अल्काराज की मौजूदा फॉर्म को देखते हुए वह 2026 सीजन में और बड़े रिकॉर्ड बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। उनकी फिटनेस, आक्रामक मानसिकता और निरंतरता उन्हें बाकी खिलाड़ियों से अलग बनाती है। दोहा में मिली यह जीत उनके आत्मविश्वास को और मजबूत करेगी।

वेस्टइंडीज की जीत से भारत की बढ़ी टेंशन

टी20 वर्ल्ड कप: सेमीफाइनल में पहुंचने की राह हो सकती है मुश्किल

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज की टीम ने सुपर 8 के अपने पहले ही मुकाबले में जिम्बाब्वे को जिस तरह से हराया उससे जाहिर हो गया कि इस टीम के इरादे क्या हैं। वेस्टइंडीज की ये इस टूर्नामेंट में लगातार 5वीं जीत रही। इससे पहले ग्रुप स्टेज में इंडीज ने अपने सभी चारों मुकाबले जीते थे और फिर जिम्बाब्वे को तो इस टीम ने पूरी तरह से रौंद दिया। वेस्टइंडीज की इस जीत के बाद भारत के लिए टेंशन बढ़ सकती है। दरअसल जिम्बाब्वे के खिलाफ इंडीज ने जिस तरह की बेखौफ क्रिकेट खेली उससे बाद साफ तौर पर लगा कि वो भारत और साउथ अफ्रीका दोनों टीमों को टक्कर दे सकती है। संभावना इस बात की भी है कि वेस्टइंडीज का दिन रहा तो वो इन टीमों को हरा भी सकती है।

वेस्टइंडीज ने बढ़ाई टीम इंडिया की टेंशन

वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को हरा दिया और वो ग्रुप 1 की अंकतालिका में बेहतरीन रन रेट के साथ पहले स्थान पर पहुंच गया। अब इस टीम को भारत और साउथ अफ्रीका से मैच खेलना है। अगर इंडीज ने इन दोनों में से किसी भी एक टीम को हरा दिया तो इस टीम के 4 अंक हो जाएंगे। वहीं भारत अगर अपने अगले दोनों मैच जीत जाता है तो फिर भारत को भी 4 अंक हो जाएंगे। वहीं साउथ अफ्रीका को अब वेस्टइंडीज और जिम्बाब्वे के साथ मैच खेलना है। अगर साउथ अफ्रीका वेस्टइंडीज से जीत गया और इसने जिम्बाब्वे को हरा दिया तब साउथ अफ्रीका के भी 4 अंक हो जाएंगे यानी यहां पर बेहतर रन रेट का मामला फंसेगा।

वेस्टइंडीज से हार के बाद भारत हो जाएगा बाहर

अब आगे की बात करते हैं कि अगर वेस्टइंडीज ने भारत को हरा दिया तो फिर भारत का सफर टी20 वर्ल्ड कप में वहीं पर खत्म हो जाएगा। यानी भारत की स्थिति गंभीर है कि वो किसी भी तरह से इंडीज के खिलाफ अपना मैच नहीं गंवाए। वहीं भारत अगर वेस्टइंडीज को हरा देता है तो उसे दुआ करनी होगी की साउथ अफ्रीका भी वेस्टइंडीज को हरा दे क्योंकि अगर वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को हरा दिया तो फिर मामला भारत के लिए फिर से फंसेगा। यानी इंडीज की इस जीत ने भारत के लिए राह मुश्किल कर दी है और वेस्टइंडीज का फॉर्म ऐसा है कि आप इस टीम की सेमीफाइनल में पहुंचने की संभावना को भी नहीं नकार सकते।

'साउथ अफ्रीका का शुक्रिया,' संजय मांजरेकर ने भारत की हार पर दी दिलचस्प प्रतिक्रिया; कहा ये बदलाव बेहद जरूरी

नई दिल्ली । संजय मांजरेकर ने भारत की साउथ अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद दी प्रतिक्रिया भारतीय टीम साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद लगातार सवालों के घेरे में है । साउथ अफ्रीका से हारना टीम इंडिया के लिए बहुत बड़ी बात नहीं थी लेकिन जो अप्रोच टीम इंडिया ने दिखाया वो बड़ा सवाल था । भारतीय टीम के 11 में से 8 बल्लेबाज कुछ नहीं कर पाए । इसी कारण अब पूर्व क्रिकेटर्स भी टीम इंडिया को जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले नसीहत दे रहे हैं । उसी कड़ी में संजय मांजरेकर ने बेहद दिलचस्प प्रतिक्रिया दी है । संजय मांजरेकर ने साउथ अफ्रीका की टीम को शुक्रिया कहा है । उन्होंने कहा है कि साउथ अफ्रीका की टीम का धन्यवाद, अब हमें पता है कि हमें क्या करना है । इसके बाद मांजरेकर ने तीन बेहद जरूरी बदलाव बताए जो टीम इंडिया को जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच से पहले करने चाहिए । उन्होंने इसमें कुलदीप यादव को खिलाने का भी जिक्र किया । टॉप ऑर्डर में ऐसे बल्लेबाजों को मौका दिया जाए जो स्पिन के खिलाफ संयम और धैर्य से बल्लेबाजी कर सकें । उनका इशारा इस तरफ था कि पहली बॉल से स्पिनर्स के खिलाफ अटैक नहीं करना चाहिए । टीम इंडिया के थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट को प्रैक्टिस सेशन में कई धीमी गेंद फेंकनी चाहिए और बल्लेबाजों को अभ्यास करवाना चाहिए । जैसा कि देखा गया कि साउथ अफ्रीका के सभी पेसर्स ने धीमी गेंद पर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान किया था ।

कुलदीप यादव को टीम में मौका मिलना चाहिए । कुलदीप के टीम में आने से एक विकेट लेने का अतिरिक्त विकल्प टीम के पास आ जाएगा ।

जिम्बाब्वे-वेस्टइंडीज सुपर 8 मैच के बाद अंकतालिका, भारत को हराने वाला साउथ अफ्रीका नीचे फिसला

नई दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 मुकाबले में वेस्टइंडीज ने जिम्बाब्वे को एकतरफा अंदाज में 107 रन के बड़े अंतर से हरा दिया। इस मैच में वेस्टइंडीज ने 20 ओवर में 6 विकेट पर 254 रन बनाए और फिर जिम्बाब्वे की टीम को 147 रन पर आउट कर दिया।

इस जीत के बाद जिम्बाब्वे ने सुपर 8 में तगड़ी शुरुआत की और जिम्बाब्वे को एकतरफा अंदाज में हराते हुए ग्रुप 1 की अंकतालिका में टॉप पर पहुंच गई। वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को पीछे छोड़ दिया जिसने भारत को हराने के बाद पहला स्थान हासिल किया था। वेस्टइंडीज की जीत के बाद अब साउथ अफ्रीका की टीम दूसरे नंबर पर खिसक गई।

वेस्टइंडीज-जिम्बाब्वे मैच के बाद ग्रुप 1 की अंकतालिका में भारत अब तीसरे नंबर पर चला गया जबकि जिम्बाब्वे की टीम चौथे नंबर पर है। वेस्टइंडीज का रन रेट इस मैच के बाद 5.35 का हो गया जबकि साउथ

अफ्रीका का रन रेट 3.8 है। वहीं भारत का नेट रन रेट इस मुकाबले के बाद -3.8 है जबकि जिम्बाब्वे का रन रेट -5.35 है। '120 की रफ्तार वाले बॉलर से विरोधी टीम को कैसे डराओगे'।

भारत-जिम्बाब्वे मैच में 25 प्रतिशत बारिश का अनुमान

मुकाबला रद्द होने पर टीम इंडिया की बढ़ जाएंगी मुश्किलें

नई दिल्ली। भारतीय टीम को टी20 वर्ल्ड कप 2026 के पहले सुपर 8 मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार से मुश्किलें बढ़ गई हैं। अब टीम इंडिया की सेमीफाइनल में जाने की राह भी कठिन हो गई है।

ऐसे में अगर आने वाले भारत के मैचों में बारिश विलेन बनी तो मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। भारत अपना अगला सुपर 8 मैच 26 फरवरी को चेन्नई में खेलेगा और उस दिन 25 प्रतिशत बारिश का अनुमान है।

भारत और जिम्बाब्वे का मैच गुरुवार को खेला जाएगा। एक्यूवेदर के मुताबिक इस दिन चेन्नई में 25 प्रतिशत बारिश का पूर्वानुमान है। अगर बारिश ने खेल बिगाड़ा या मुकाबला रद्द होता है, तो टीम इंडिया की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। क्योंकि साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच में हार के बाद अब टीम इंडिया का नेट रनरेट भी काफी खराब हो चुका है।

भारत-जिम्बाब्वे मैच रद्द होने पर क्या होगा गणित?

भारतीय टीम पहला मैच साउथ अफ्रीका से हारकर आई है । वहीं जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच रद्द हुआ तो भारत को एक अंक ही मिलेगा । ऐसी स्थिति में अगर भारत वेस्टइंडीज से मैच जीता तो भी उसके 3 अंक ही रहेंगे । ऐसी स्थिति में अगर वेस्टइंडीज ने साउथ अफ्रीका को हरा दिया तो भारत की मुश्किल बढ़ जाएगी । ऐसे में 3 अंक के बावजूद टीम इंडिया वर्ल्ड कप से बाहर हो जाएगी । अगर वेस्टइंडीज की टीम साउथ अफ्रीका से हारी और भारत ने भी वेस्टइंडीज को हरा दिया । फिर भारत ग्रुप 1 में वेस्टइंडीज से ऊपर हो जाएगा । इस स्थिति में टीम इंडिया को यह मनाना होगा कि जिम्बाब्वे की टीम साउथ अफ्रीका को मात ना दे पाए । अगर जिम्बाब्वे साउथ अफ्रीका से हारी और वेस्टइंडीज भी साउथ अफ्रीका से हारी । उस कंडीशन में जिम्बाब्वे के खिलाफ मैच रद्द होने और वेस्टइंडीज को हराने के बाद टीम इंडिया 3 अंक के साथ भी क्वालिफाई कर लेगी ।

'वो चले गए', कोहली का नाम सुन सहवाग ने दी तीखी प्रतिक्रिया

तिलक, सूर्यकुमार, शिवम दुबे, हार्दिक जैसे खिलाड़ियों को दी नसीहत

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका से हार के बाद टीम इंडिया के पूर्व ओपनर बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के सामने जब विराट कोहली का नाम लिया गया तो वो थोड़े से भड़के हुए नजर आए। दरअसल सहवाग से एक शो के दौरान पूछा गया कि साउथ अफ्रीका से मिली हार के बाद क्या आपको टीम इंडिया में विराट कोहली की कमी खल रही है, काश वो होते।

विराट कोहली अब चले गए- सहवाग से ये सवाल क्रिकबज पर पूछा गया। एंकर के इस सवाल का जवाब देते हुए सहवाग ने कहा कि ऐसा नहीं है कि कोहली चले गए तो... हम भी कहते की काश सचिन तेंदुलकर खेल रहे होते। उन्होंने भी बहुत मैच जिताए हैं और उनका समय था और वो चले गए। वो खत्म हो गया और अब आप विराट कोहली से आगे बढ़ चुके हो। अब किसी और को विराट कोहली बनना पड़ेगा।

सहवाग ने आगे कहा कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ बहुत खिलाड़ियों के पास विराट कोहली बनने का मौका था। तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, शिवम दुबे, हार्दिक पंड्या के पास विराट कोहली बनने का मौका था। किसी को तो कोहली बनना पड़ेगा, किसी को तो मैच खत्म करना पड़ेगा।

कोहली की तरह मैच खत्म करना सीखना होगा- सहवाग ने कहा कि भारत-साउथ अफ्रीका मैच के दौरान जब मैं कमेंट्री कर रहा था तब एक आंकड़ा सामने आया जिसमें था कि विराट कोहली के बिना भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में कभी 160 से बड़ा स्कोर चेज ही नहीं किया है। कोहली नॉट आउट जाते थे, मैच खत्म करके जाते थे। साउथ अफ्रीका के खिलाफ किसने मैच खत्म किया। इस वर्ल्ड कप में किस भारतीय बैटर ने मैच खत्म किया है अब तक। किसी को तो विराट कोहली बनना पड़ेगा, वो आपको सीखना पड़ेगा। आप चेज कर रहे हैं तो देखो और मैच खत्म करो।

जिम्बाब्वे के खिलाफ 2 खिलाड़ियों को किया जा सकता है टीम में शामिल, अश्विन ने प्लेइंग 11 में बदलाव की बात कही

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ मिली हार के बाद भारतीय टीम के हेड कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव को अब देखना है कि टीम में क्या कमी है। भारत को अब अगले दो सुपर 8 मुकाबलों में अपनी कमियों को दूर करके ही मैदान पर उतरने की जरूरत है जिससे कि वो जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ गलतियां करने से बच सकें।

टीम के लिए जरूरी है स्टैबिलिटी- टीम इंडिया की हार के बाद पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा कि अगर भारतीय टीम के अंदर कोई परेशानी है तो इसका हल खिलाड़ी खुद निकाल सकते हैं। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अब इसका हल खोजने का समय है। मुझे लगता है कि बदलाव करके ही सॉल्यूशन निकाले जाते हैं और नहीं, अगर टीम में स्टेबिलिटी होगी तो खिलाड़ी खुद ही सॉल्यूशन खोज लेंगे। हमें माहौल ऐसा रखना होगा कि खिलाड़ी स्टेबल महसूस करें और अपने लिए सोचें। हम हमेशा बदलाव करने के बारे में नहीं सोच सकते, नहीं तो वे इनसिक्योरिटी में चले जाएंगे।

हाई ब्लड शुगर होने पर शरीर के इन अंगों पर पड़ सकता है बुरा असर

डायबिटीज के मामलों में तेजी देखी जा रही है। भारत में डायबिटीज के आंकड़े चिंताजनक है। जी हां, करीब 7.7 करोड़ लोग इस बीमारी की चपेट में है। वहीं अनुमान जताया जा रहा है कि साल 2045 तक यह संख्या बढ़कर 13.4करोड़ तक पहुंच जाएगी। अचानक से शरीर में ब्लड के रक्तस्त्राव के बढ़ जाने को हाइपरग्लेसेमिया कहा जाता है। इससे शरीर के कई अंगों को क्षति पहुंचती है।

आंखों की समस्या

डायबिटीज होने के बाद एक अच्छी लाइफस्टाइल से ही अच्छे से लॉन्ग लाइफ जी सकते हैं। ब्लड शुगर असामान्य रूप से बढ़ने से आंखों पर प्रभाव पड़ता है। इससे धुंधलापन होना, मोतियाबिंद होना, ग्लूकोमा जैसी समस्या घेरने लगती है। इसके लिए पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है।

घाव के ठीक होने में वक्त लगना

दरअसल, हाइपरग्लेसेमिया की वजह से घाव ठीक होने में वक्त लगता है। कई बार महीने भी लग जाते हैं। इतना ही नहीं घाव अगर ठीक नहीं होता है तो कई बार इंफेक्शन नहीं फैले इसलिए अंग को ही निकालना पड़ता है। जिसका कारण होता है रोग प्रतिरोधक क्षमता का कम होना।

संक्रमण का खतरा

रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने के कारण संक्रमण का खतरा अधिक होता है। डायबिटीज मरीज को यूरिन के संक्रमण का खतरा बहुत अधिक होता है। इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है।

पैरों की समस्या

मधुमेह होने के कारण पैर अधिक दर्द करते हैं। कई बार असहनीय दर्द रहता है। पैरों में घाव हो जाना, उंगलियों का कालापन होना।
शुगर कंट्रोल नहीं होने पर पूरे पैर में भी समस्या हो सकती है। इसलिए बेहतर है मीठा जरा भी नहीं खाएं और शुगर फ्री चीजों का ही सेवन करें।

आहार में शामिल करें ये नॉन डेयरी कैल्शियम रिच फूड नहीं होगी कैल्शियम की कमी

शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करने के लिए दूध और दूध से बने उत्पादों का सेवन बहुत जरूरी होता है। लेकिन यदि आपको दूध पीना पसंद नहीं है या आपको दूध से एलर्जी है तब आप क्या करेंगी? नहीं आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। प्रकृति ने हमें ऐसे बहुत से खाद्य पदार्थ दिए हैं, जिनमें उच्च मात्रा में कैल्शियम होता है। इसलिए आज बात करते हैं उन फूड्स की जो दूध के बिना भी आपके शरीर में कैल्शियम की कमी नहीं होने देंगे।

हरी सब्जियां

गहरे रंग वाली सब्जियां जैसे बथुआ, पालक, चौलाई, मेथी आदि में आयरन और फोलेट के साथ-साथ कैल्शियम की भी अच्छी मात्रा होती है। आप इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर कैल्शियम की प्राप्ति कर सकती हैं।

बादाम और अंजीर

बादाम को पावर बैंक कहा जाता है, क्योंकि इसमें सभी आवश्यक आयरन और विटामिन होते हैं। यह कैल्शियम में भी काफी समृद्ध होता है। इसी के साथ-साथ अंजीर में भी आयरन और कैल्शियम की समृद्ध मात्रा होती है। नाश्ते, लंच या हल्की स्नैकिंग के रूप में आप बादाम और अंजीर का एक साथ सेवन कर सकती हैं।

डाइट में शामिल करें सोया

यदि आप अपनी डाइट में सोया या उससे बने फूड्स जैसे टोफू का प्रयोग करती हैं तो आपको लगभग 220 मिलीग्राम से 250 मिलीग्राम कैल्शियम की आपूर्ति होती है। जो आपकी दैनिक जरूरत के बराबर है।

भुने हुए तिल

यदि आप कैल्शियम रिच नॉन डेरी प्रोडक्ट की तलाश में हैं, तो भुने हुए तिल आपके लिए सबसे अच्छा विकल्प है। एक्सपर्ट के मुताबिक लगभग 25 ग्राम तिल आपको 270 मिलीग्राम कैल्शियम, दैनिक जरूरत के बराबर आपूर्ति करता है।

मछली भी है कैल्शियम रिच

सार्डिन या साल्मन यह दो बेहतरीन मछलियां हैं। जिनसे दैनिक जरूरत की कैल्शियम की आपूर्ति होती है। यह दोनों ही कैल्शियम, ओमेगा 3 फैटी एसिड और प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। आपको इनको बस जरूरत के मुताबिक ही खाना है। यानी कि हफ्ते में लगभग दो टुकड़े।

साबुत अनाज एवं दालें

आप अपनी डाइट में ऐसे कुछ अनाज या दालों का प्रयोग कर सकती हैं, जो कैल्शियम का बेहतरीन स्रोत हैं। जैसे कि मोठ, राजमा, कुलथी, बाजरा, चना, सोयाबीन, रागी आदि।

क्यों जरूरी है कैल्शियम

हमारे शरीर में हड्डियों के विकास के लिए कैल्शियम बेहद आवश्यक है। यह हड्डियों के साथ ही मांसपेशियों, कोशिकाओं और हृदय व नसों के सुचारू रूप से काम करने के लिए भी बहुत जरूरी है। हमारे शरीर में कैल्शियम की मात्रा सबसे अधिक पायी जाती है। इनमें से लगभग 98% हिस्सा हमारे दांतो और हमारे शरीर की हड्डियों में प्रयोग होता है। जबकि इसका 1% रक्त और मांसपेशियों में प्रयोग होता है। इसलिए कैल्शियम सभी के लिए आवश्यक है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं को अधिक कैल्शियम की जरूरत होती है। इसी वजह से कैल्शियम की आपूर्ति के लिए दूध और दूध से बने पदार्थों का सेवन किया जाता है। मगर यदि आपको दूध से एलर्जी है या आपको दूध पीना पसंद नहीं है, तो आपको नॉन डेयरी प्रोडक्ट से यह जरूरत पूरी करनी होगी।

आयुर्वेद ने भी माना खाली पेट इन चीजों का सेवन करने से घटता है मोटापा

वजन घटाने के लिए लोग न जानें कितनी प्रकार की डायट फॉलो करते हैं। लेकिन अपने आपको भूखा रखकर लंबे समय तक बिना सोचे-समझे किसी भी प्रकार की डायट का पालन करना मुश्किल हो जाता है। वजन घटाना कोई आसान काम नहीं है। शरीर की एक्सट्रा चर्बी को निकालने के लिए नियमित व्यायाम के साथ कैलोरीज भी बर्न करनी पड़ती हैं। इसके लिए आयुर्वेद के पास ऐसे कई तरीके हैं, जिससे शरीर की गंदगी बाहर निकलेगी और आपको वजन कम करने में आसानी होगी। ये तरीके बेहद आसान हैं, लेकिन आपको इन्हें अपनी लाइफस्टाइल का हिस्सा बनाना होगा। आइए जानते हैं क्या हैं वो तरीके जिसे मोटापा घटाने के लिए आयुर्वेद में अहम माना गया है.

गर्म पानी के साथ घी और नींबू

200 मिलीलीटर पानी के साथ थोड़ा सा नींबू या घी का सेवन करने से पेरिस्टलसिस में सुधार होता है, जो कि वेस्ट और खाने की गति को नीचे की ओर ढकेलता है। यदि आपका शरीर वात या पित्त प्रकार का है, तो आप इससे आपका पाचन तंत्र चिकना होगा जिससे कब्ज की समस्या दूर होगी।

डायजेस्टिव चाय

आजकल, बाजार में आयुर्वेदिक चाय की ढेर सारी वैराइटीज उपलब्ध हैं। लेकिन अच्छा होगा कि आप घर पर अपनी चाय खुद ही बना लें। इसके लिए 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सौंफ, 1 चम्मच धनिया के बीज, 1 इलायची और थोड़ी सी अजवाइन को लेकर 500 मिलीलीटर पानी में तब तक उबालें, जब तक पानी की मात्रा आधी न हो जाए। इस चाय को खाली पेट पीने से अपच, ब्लोटिंग और वजन कम करने में मदद मिलेगी।
अपने मेटाबोलिज्म को तेज बनाने के लिए आप दालचीनी, इलायची, लौंग, कद्दूकस की हुई अदरक, काली मिर्च, हल्दी और स्टार ऐनीज को 500 मिली पानी में उबालें। यह पानी आधा हो जाए तब इसमें आधा नींबू और कोकोनट शुगर मिलाएं। चाय शरीर की गर्मी बढ़ाकर चयापचय में सुधार करके वजन कम करने में मदद करेगी।

कच्चे फल

सुबह खाली पेट हर्बल चाय पीने के बाद, कच्चे फलों का सेवन करें जो प्रकृति में थोड़े से कसैले हो सकते हैं। ग्रीन और रेड एपल, क्रैनबेरी, ब्लूबेरी, चेरी, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, अनानास, आंवला और अनार जैसे फलों को ही चुनें। यह फल शरीर में वॉटर रिटेंशन को कम करते हैं और आपकी त्वचा में कोलेजन को बढ़ाते हैं, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है।

सिलेरी जूस

तनाव से बचने के लिए आयुर्वेद कच्चे फल और पकी या उबली हुई सब्जियां खाने की सलाह देता है। ऐसी स्मूदी लेने से बचें जिसमें फल, सब्जियां, दूध और दही का मिश्रण शामिल हो। यह शरीर में विषाक्त पदार्थों के संचय का कारण बन सकता है। बल्कि पेट की ब्लोटिंग और अतिरिक्त चर्बी को कम करने के लिए एक चुटकी सेंधा नमक और नारियल तेल के साथ सिलेरी का जूस लें।

वजन घटाने के बुनियादी नियम

- जब आपको भूख लगे तब ही खाएं।
- सूर्यास्त के बाद न खाएं।
- इंटरमिटेंट फास्टिंग करें जिसमें 16 घंटे के तक कुछ भी न खाएं। इससे आपकी ऊर्जा तो बढ़ती है साथ में दिमाग पर कंट्रोल रहता है।
- कच्चे फल खाने के बाद पका हुआ भोजन करें।
- आपका पेट केवल आपकी मुट्ठी के आकार का है। अपनी भूख से 80 प्रतिशत भोजन कम खाएं, ताकि खाना पचाने वाले रस अपना काम आसानी से कर सकें।

डायबिटीज कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अनार के फूल

खून बढ़ाने से लेकर ग्लोइंग स्किन पाने के लिए अनार खाने के फायदों के बारे में आपने सुना ही होगा। लेकिन क्या आपने अनार के फूल के फायदों के बारे में सुना है। प्राकृति ने मनुष्य को बहुत कुछ दिया है, जो स्वस्थ रहने और किसी बीमारी से लड़ने के लिए काफी है। ऐसा ही एक प्राकृति का तोहफा है अनार का फूल। आइए जानते हैं अनार के फूल के फायदों के बारे में।

- शुगर की परेशानी इन दिनों आम हो गई है। दुनियाभर में कई लोग इस जानलेवा बीमारी से जूझ रहे हैं। हालांकि इसे कंट्रोल करने के कई तरीके हैं, लेकिन बावजूद इसके इसे ठीक नहीं किया जा सकता। ऐसे में एक स्वस्थ जीवन शैली पर स्विच करना महत्तवपूर्ण है। शुगर के मरीजों को कम चीनी और फाईड चीजों को अवॉइड करना चाहिए। ऐसे में डाइट में अनार के फूल शामिल करना अच्छा हो सकता है। हेल्थ रिपोर्ट्स के मुताबिक अनार के फूल में फोटोकेमिकल होता है, जो शुगर के मरीजों के लिए अच्छा होता है।
- बेदाग स्किन और स्वस्थ चमक इन दिनों खो सी गई है। पर्यावरण प्रदूषण और गलती जीवनशैली के चलते ऐसी त्वचा पाना बेहद ही मुश्किल हो गया है। वहीं बीजी रूटीन में नियमित त्वचा की देखभाल करना भी मुश्किल होता है। ऐसे में आप अनार के फूल पर विश्वास कर सकते हैं, इसकी मदद से झुर्रियों और समय से पहले बूढ़ा होने से बचा जा सकता है।
- कोरोना काल में हर किसी ने एक चीज अच्छे से सिखी है और वो है स्वस्थ्य रहना। लोग इन दिनों स्वस्थ और इम्यूनिटी को बढ़ावा देने वाली हर एक चीज का पूर्ण रूप से ख्याल रख रहे हैं। ऐसे में अनार के फूल भी स्वस्थ रहने में आपकी मदद कर सकते हैं। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते हैं। जो बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करते हैं।
- अनार के फूल को डाइट में शामिल करने से अपने कार्डियोवस्कुलर हेल्थ का ख्याल रख सकते हैं। शरीर में सबसे महत्तवपूर्ण अंगों में से एक होता है हृदय, जो पूरे शरीर में ब्लड पंप करता है। इससे न केवल ऑक्सीजन बल्कि शरीर के विभिन्न कार्यों को करने के लिए पोष्क तत्व भी पहुंचाता है। अगर दिल की सेहत का ध्यान न रखा जाए तो आप आलसी, सुस्त और लो एनर्जी महसूस करेंगे।
- अनार का फूल में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ शरीर में जमा फैट को खत्म कर आपको हेल्दी रखता है। हालांकि अच्छे परिणाम के लिए आपको कसरत करनी होगी।

कैसे करें अनार के फूल का इस्तेमाल

आप अनार के फूलों के सपलीमेंट ले सकते हैं, या फिर अगर आपको अनार के फूल मिल जाते हैं तो आप इसकी चाय बनाकर पी सकते हैं। हालांकि किसी भी तरह की जलन महसूस होने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

दूध, दही, पनीर के सेवन से कम होता है डायबिटीज और हाई बीपी का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार दही, दूध या पनीर का रोजाना सेवन डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम करता है। हाल ही में एक शोध ने डेयरी रिच डाइट (यानी दही, दूध या पनीर युक्त खाद्य पदार्थ) को रक्त शर्करा के स्तर, ब्लड प्रेशर में सुधार और हृदय रोग संबंधी जोखिमों को कम करने से जोड़ा गया। शोध के मुताबिक, रोजाना इन डेयरी उत्पादों का दो बार सेवन इन बीमारियों से राहत दिलाने में फायदा करता है।

इस अध्ययन को डायबिटीज रिसर्च जर्नल में प्रकाशित किया गया। इसका उद्देश्य स्वास्थ्य पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का विश्लेषण करना था। उन्होंने भारत सहित दुनियाभर के 21 देशों के 35 से 70 वर्ष के लोगों में डेयरी रिच डाइट के प्रभाव का गहराई से अध्ययन किया। इस शो में डेयरी उत्पादों जैसे दूध, दही, दही से बने पेय, पनीर से बनी डिशेज शामिल थीं। इन्हें फुल या लो फैट के रूप में बांटा गया था। बटर और क्रीम का अलग से मूल्यांकन किया गया था, क्योंकि वे आमतौर पर उन देशों में नहीं खाए जाते थे जो अध्ययन का हिस्सा थे।
मेटाबॉलिक सिंड्रोम के पांच घटकों पर डेयरी उत्पादों के प्रभाव का अध्ययन किया गया था। यह अध्ययन लगभग 1,13,000 लोगों में किया गया। मेटाबॉलिक सिंड्रोम एक तरह से समस्याओं का झुंड होता है। मुख्य रूप से इसमें ब्लड प्रेशर बढ़ना, ब्लड शुगर बढ़ जाना, कमर के आसपास चर्बी बढ़ जाना और कोलेस्ट्रॉल व ट्राइग्लिसराइड का स्तर असामान्य हो जाना जैसी समस्याएं शामिल होती हैं। मेटाबॉलिक सिंड्रोम में ये समस्याएं एक साथ होती हैं जिससे स्ट्रोक, डायबिटीज व हृदय संबंधी बीमारियां होने का जोखिम बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने हाई ब्लड प्रेशर, बढ़ी हुई कमर, गुड कोलेस्ट्रॉल का निम्न स्तर, हाई ब्लड फैट्स और बढ़े हुए फास्टिंग ब्लड ग्लूकोज की 12 महीनों की स्थिति को ट्रैक किया। अध्ययन से पहले लगभग 46,667 लोगों को मेटाबॉलिक सिंड्रोम था, यानी उनमें पांच में से कम से कम तीन स्थितियां थीं। शोधकर्ताओं ने पाया कि फुल फैट वाले डेयरी का सेवन करने से मेटाबॉलिक सिंड्रोम का जोखिम कम था। इससे पता चलता है कि डेयरी प्रोडक्ट शरीर की कार्यप्रणाली में कैसे सुधार करते हैं। शोध में कहा गया है कि यदि इन निष्कर्षों के आधार पर बड़े और दीर्घकालिक परीक्षणों में पुष्टि की जाती है, तो बढ़ती डेयरी खपत मेटाबॉलिक सिंड्रोम, डायबिटीज और हृदय रोग के मामलों को कम करने के लिए बड़े काम की हो सकती है।
डेयरी उत्पादों में स्वास्थ्य लाभ में हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों की मजबूती, पाचन में सुधार, वजन घटाना आदि शामिल हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक डेयरी उत्पाद प्रोटीन और कैल्शियम के बड़े स्रोत हैं। इसके अलावा यह उत्पाद विटामिन और मिनरल्स के भी बड़े संयोजक होते हैं। डेयरी उत्पाद मुख्य रूप से पशुओं के दूध से निर्मित खाद्य या पेय पदार्थ होते हैं। मुख्य रूप से जिन पशुओं के दूध का प्रयोग इन उत्पादों को बनाने के लिए किया जाता है उनमें गाय, भैंस, बकरी, भेड, याक और ऊंट शामिल हैं।

हेल्दी डाइट के लिए खाइए ब्राउन राइस

जो लोग हेल्दी डाइट और व वजन कम करने में दिलचस्पी रखते हैं और चावल से परहेज करते हैं, उनके लिए ब्राउन राइस एक बेहतरीन विकल्प है। कैलोरी कम होने के साथ-साथ इसके और भी कुछ फायदे हैं। जानिए इसके 5 फायदे.

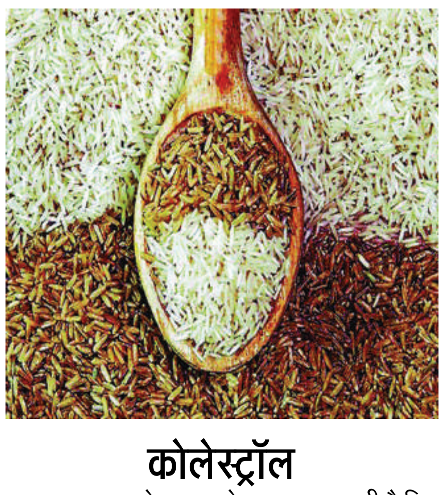

कोलेस्ट्रॉल

ब्राउन राइस खाने का सबसे बड़ा फायदा यही है कि यह कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और अनचाहे फैट को शरीर के आंतरिक भागों में जमने से रोकता है।

डाइबिटीज

सामान्यत: चावल में शर्करा की मात्रा अधिक होती है, जिसके कारण डाइबिटीज के रोगी इससे दूरी बनाए रखते हैं। लेकिन ब्राउन राइस के सेवन से रक्त में शर्करा का स्तर नहीं बढ़ता। इसलिए यह आपके लिए बेहतर विकल्प है।

हृदय रोग

हार्टअटैक या हृदय के अन्य रोग, ज्यादातर हृदय की धमनियों में कोलेस्ट्रॉल के जमाव के कारण होते हैं। ऐसे में ब्राउन राइस का सेवन इससे बचाकर आपके हृदय की भी रक्षा करता है।

हड्डियां

मैग्नीशियम व कैल्शयिम से भरपूर होने के कारण ब्राउन राइस, हड्डियों को मजबूत करने के लिए बेहद फायदेमंद है। सफेछ चावल की अपेक्षा यह सेहत के कई फायदे देता है।

वजन कम

वजन कम करना चाहते हैं, और चावल से दूर नहीं रह सकते, तो सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस को भोजन में शामिल करें। कुछ ही समय में आप वजन में कमी महसूस करेंगे।

जरूरी नहीं महंगी बादाम खाना, सस्ती मूंगफली भी है प्रोटीन का खजाना

मूंगफली का सेवन सेहत के लिए काफी फायदेमंद होता है। बल्कि इसे बादाम का पर्याय माना जाता है। जितने पोषक तत्व बादाम में मौजूद होते हैं वह सभी मूंगफली में आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। लेकिन बादाम महंगा होता है और मूंगफली सस्ती होती है लेकिन आप बादाम की जगह मूंगफली भी खा सकते हैं। एक लीटर दूध के बजाए 100 ग्राम कच्ची मूंगफली में अधिक प्रोटीन होता है। मूंगफली के साथ ही मूंगफली के तेल के कई फायदे होते हैं। यह कीटाणुओं को खत्म करने में मददगार होता है। जानते हैं मूंगफली खाने के अचूक फायदों के बारे में -

हड्डियों को करें मजबूत

मूंगफली के सेवन से हड्डियां मजबूत होती है। मूंगफली में मौजूद पोषक तत्वों से शरीर को विटामिन डी और कैल्शियम मिलता है। बादाम के बदले इसका आसानी से सेवन कर सकते हैं।

हार्मोन को करें बैलेंस

जब महिला और पुरुषों में हार्मोंस अनबैलेंस्ड हो जाते हैं तब कई प्रकार की शारीरिक समस्या होती है। इसलिए महिला और पुरुष को रोज एक मुट्ठी मूंगफली का सेवन करना चाहिए।

कैंसर से बचाएं

मूंगफली में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है जिसका नाम है पॉलीफिनॉलिक। इसके सेवन से पेट के कैंसर का खतरा कम हो जाता है। सप्ताह में 1 बार मूंगफली के साथ मक्खन का सेवन करना चाहिए।

झुर्रियों को हटाए

मूंगफली खाने से झुर्रियां कम होती है। इसमें मौजूद तत्व चेहरे पर बारीक रेखा और झुर्रियों को बनने से रोकती है।

डायबिटीज को करें नियंत्रित

मूंगफली का सेवन करने से डायबिटीज की आशंका कम होती है। रोज अपनी डाइट में इसे जरूर शामिल करना चाहिए। ताकि घातक बीमारियों से बचा जा सकें।

स्क्रिप्ट पर भरोसा अब भी बरकरार, सोशल मीडिया से फर्क नहीं पड़ता

एक्टर बरुण सोबती की वेब सीरीज 'कोहरा' का दूसरा सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। इस बीच उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में बदलाव बहुत आए हैं, लेकिन अच्छी स्क्रिप्ट की ताकत पर उनका विश्वास बरकरार है। सोशल मीडिया और डिजिटल दौर में भी वे काम की क्वालिटी पर फोकस करते हैं। बरुण ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'दुनिया बहुत बदल गई है और सोशल मीडिया का जमाना है, लेकिन मेरा नजरिया वही है। मैं शुरू से स्क्रिप्ट पर भरोसा करता था और आज भी करता हूं। पहले अच्छी स्क्रिप्ट्स कम मिलती थीं, लेकिन अब समय आ गया है कि वे मुझे मिल रही हैं। इसलिए सोशल मीडिया पर क्या हो रहा है, इससे मुझे ज्यादा फर्क नहीं पड़ता।' प्रासंगिक बने रहने के बारे में बरुण ने खुद की जागरूकता और पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'प्रासंगिक रहने के लिए आपको अपनी काबिलियत का इस्तेमाल जिंदगी भर करना होगा। खुद की तुलना दूसरों से नहीं करनी चाहिए। बल्कि यह समझना जरूरी है कि आप कहां सबसे अच्छे फिट होते हैं और आपका टैलेंट कहां सबसे बेहतर इस्तेमाल हो सकता है। अगर यह नहीं पता तो किसी भी काम का मतलब नहीं।' नेटफ्लिक्स पर 11 फरवरी से स्ट्रीम हो रहे इस नए चैप्टर में बरुण तेज-तर्रार इन्वेस्टिगेटर 'अमरपाल गरुंडी' का रोल दोबारा निभा रहे हैं। इस बार वह मोना सिंह के किरदार वाली नई ऑफिसर के साथ मिलकर महिला से जुड़ी डार्क मर्डर मिस्ट्री सुलझाते नजर आएंगे। सीरीज में रणविजय सिंह भी शामिल हैं। कोहरा एक क्राइम थ्रिलर पुलिस प्रोसिजरल सीरीज है, जो पंजाब के सर्द इलाकों में सेट है। यहां खामोशी अक्सर बातचीत से ज्यादा बोलती है। सीरीज को सुदीप शर्मा, गुंजित चोपड़ा और डिग्गी सिसोदिया ने क्रिएट और लिखा है। सीरीज के पहले सीजन में सुरविंदर विक्की, हरलीन सेठी, सौरव खुराना, रेचल शैली और मनीष चौधरी जैसे कलाकार लीड रोल में थे। वहीं, सीजन 2 में नया केस, नई जोड़ी और क्रिएटिव बदलाव हैं। यह एक्ट थ्री और फिल्म स्क्वाड प्रोडक्शन के बैनर तले बनाई गई है, जिसे सौरभ मल्होत्रा, सुदीप शर्मा, मनुज मित्रा और टीना थारवानी ने मिलकर प्रोड्यूस किया है। रणदीप झा ने डायरेक्शन संभाला है।

बिग बॉस 19 फेम तान्या मित्तल ने ऐसा क्यों कहा आलिया भट्ट नहीं बनना...

तान्या मित्तल सोशल मीडिया पर और बिग बॉस 19 में अपने बड़बोलेपन को लेकर चर्चा में रही हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में अपने करियर को लेकर बातें साझा कीं। साथ ही किसी भी एक्ट्रेस को फॉलो ना करने की बात भी कही। तान्या मित्तल की इस बात पर यूजर्स ने भी रिएक्शन दिए हैं।

पहली तान्या मित्तल बनने का ख्वाब देखा

फरीदून शहरयार के यूट्यूब चैनल पर तान्या मित्तल ने एक इंटरव्यू दिया। जिसमें वह कहती हैं, 'जब मैं बिग बॉस 19 से बाहर आई तो लोग सवाल करते थे कि आलिया भट्ट, करीना कपूर में से किसके जैसा बनना चाहोगी। तो मेरा जवाब होता था कि मैं किसी की जैसी नहीं बनना चाहूंगी। मैं पहली तान्या मित्तल बनना चाहूंगी।' तान्या के इस बयान पर कई यूजर्स ने उन्हें सपोर्ट किया। एक यूजर ने लिखा, 'तान्या क्वीन है।' एक अन्य यूजर ने कमेंट किया, 'आप सबसे अच्छी है। हेटर्स को पता नहीं है कि उन सब की हेट से तान्या का फैनबेस और स्ट्रॉन्ग हो रहा है।' इसी तरह एक फैन ने कमेंट किया, 'आपको कोई और बनने की जरूरत नहीं है जैसा आपने कहा तान्या मित्तल बनो, हम आपको वैसे ही प्यार करते हैं, जैसी आप हैं।'

तान्या को मिला एकता कपूर से ऑफर

तान्या के करियर फ्रंट की बात करें तो बिग बॉस 19 से बाहर आने के बाद वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। ब्रांन्ड प्रमोशन कर रही हैं। वहीं रियलिटी शो बिग बॉस 19 में प्रोड्यूसर एकता कपूर ने भी तान्या को एक प्रोजेक्ट ऑफर किया था। जल्द ही वह उस प्रोजेक्ट का हिस्सा बन सकती हैं।

सीधे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ सकती है आलिया भट्ट की फिल्म 'अल्फा'

यशराज फिल्म्स ने अपने स्पाई यूनिवर्स के जरिए 'टाइगर' फ्रेंचाइज 'पठान' और 'वॉर' जैसी कई पुरुष प्रधान फिल्में बनाईं और दर्शकों का प्यार हासिल किया है। इस यूनिवर्स का हिस्सा आलिया भट्ट और शरवरी वाघ भी बन गई हैं। उनकी महिला प्रधान स्पाई जासूसी फिल्म 'अल्फा' को 2026 में रिलीज किया जाना तय है। हालिया जानकारी में पता चला है कि निर्माता फिल्म को सिनेमाघरों में उतारने की बजाए सीधे ओटीटी पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक...' आलिया स्टारर 'अल्फा' को सीधे ओटीटी पर रिलीज किया जा सकता है। दरअसल, रानी मुखर्जी की फिल्म 'मर्दानी 3' सिनेमाघरों में बढ़िया प्रदर्शन नहीं कर रही है। इसलिए निर्माता कोई रिस्क नहीं लेना चाहते। हो रही हैं। बता दें कि इस फिल्म में बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। फिल्म में आलिया और शरवरी के साथ बॉबी देओल भी दिखाई देंगे। यह एक्शन फिल्म होगी।

क्या बॉन्ड गर्ल बनेंगी प्रियंका चोपड़ा?

प्रियंका चोपड़ा की जल्द ही एक हॉलीवुड फिल्म 'द ब्लफ' रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में वह जबरदस्त एक्शन कर रही हैं। फैंस उनके एक्शन के कायल हो गए हैं। इसी बीच प्रियंका चोपड़ा ने एक इंटरव्यू दिया है, जिसमें अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चा की है। इसी दौरान उन्होंने 'बॉन्ड' सीरीज की अगली फिल्म को लेकर जिक्र किया। क्या वह सच में इसका हिस्सा हैं। वैरायटी को दिए गए हालिया इंटरव्यू में करियर को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने लंबी बातचीत की है। इस दौरान उन्होंने 007 बॉन्ड सीरीज की फिल्म को लेकर बड़ा हिंट दिया। वह कहती हैं, 'यह प्रोजेक्ट सच में ग्लोबल हो सकता है। मैं इस बात के लिए उत्साहित हूं कि मेकर्स कौन सा रास्ता चुनते हैं।' यह खबर सुनकर प्रियंका चोपड़ा के फैंस काफी खुश हैं।

सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'दो दीवाने सहर में' के साथ शुरू किया अपना रोमांटिक हीरो का सफर

सिद्धांत चतुर्वेदी अपने सिनेमाई सफर के एक नए अध्याय में कदम रख रहे हैं, जहां वह पहली बार पूरी तरह से रोमांटिक हीरो की भूमिका निभाते नजर आनेवाले हैं। फिलहाल फिल्म 'दो दीवाने सहर में' के जरिए वह अपने अब तक के इंटेंस और लेयर्ड किरदारों से अलग, संवेदनशील, आकर्षक और भावनात्मक अंदाज में दिखाई देंगे। कई लोग इसे उनका 'लवर बॉय एरा' भी कह रहे हैं। संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शन के बैनर तले बनी इस फिल्म के साथ सिद्धांत एक ऐसे सिनेमा जगत में प्रवेश कर रहे हैं, जहां उन्हें 'भंसाली हीरो' की पहचान मिल रही है। ये वो दुनिया है, जहां प्रेम काव्यात्मक होता है, भावनाएं गहरी होती हैं और कहानी कहने के कई अंदाज होते हैं। ये कहें तो गलत नहीं होगा कि भंसाली से जुड़ा प्रोजेक्ट अपने आप में एक विरासत और भव्यता का प्रतीक माना जाता है, और इस जोन में सिद्धांत का आना उनके करियर के विस्तार और विकास का संकेत देता है। गौरतलब है कि फिल्म में पहली बार उनकी जोड़ी मृणाल ठाकुर के साथ बनी है, जो फिल्म की ताजगी को और भी खास बनाती है। फिलहाल दोनों की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर शुरुआती झलकियों ने ही दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी है और सिद्धांत को रोमांटिक हीरो के तौर पर स्थापित कर दिया है। ऐसे में यह कहें तो गलत नहीं होगा कि 20 फरवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही फिल्म 'दो दीवाने सहर में' से भंसाली हीरो के तौर पर सिद्धांत चतुर्वेदी की जगह पूरी तरह से पक्की हो गई है।

3 इडियट्स के सीक्वल पर राजकुमार हिरानी ने कही ये बात; 'मुन्नाभाई 3' पर दी अपडेट

दिग्गज निर्माता-निर्देशक राजकुमार हिरानी की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। पिछले कई दिनों से ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि राजकुमार हिरानी अपनी कल्ट फिल्म '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर फैंस निर्देशक की एक और हिट फ्रेंचाइज 'मुन्नाभाई' की भी तीसरी किश्त का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस बीच अब खुद राजकुमार हिरानी ने इन दोनों ही फिल्मों के बारे में अपडेट दिया है। जानिए क्या सच में '3 इडियट्स' के सीक्वल पर काम कर रहे राजू हिरानी?

'मुन्नाभाई' के तीसरे पार्ट का नहीं मिल रहा सही क्लाईमैक्स

वैरायटी इंडिया के साथ बातचीत के दौरान राजकुमार हिरानी ने '3 इडियट्स' के सीक्वल और 'मुन्नाभाई' के तीसरे पार्ट को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इन दोनों ही फिल्मों पर काम चल रहा है। निर्देशक ने कहा कि मेरे पास इस समय दो आइडिया हैं। मैं वास्तव में दोनों फिल्मों पर काम कर रहा हूं। मैं 'मुन्ना भाई' की स्क्रिप्ट पर काम कर रहा हूं और साथ ही '3 इडियट्स' के सीक्वल के विचार पर भी। 'मुन्ना भाई' के लिए मेरे पास एक आइडिया था, जिसे बड़े पैमाने पर दिखाया गया है। लेकिन फिर भी मुझे इसका सही क्लाईमैक्स नहीं मिला है।

'3 इडियट्स' के सीक्वल पर चल रहा काम

वहीं '3 इडियट्स' के सीक्वल को लेकर राजकुमार हिरानी ने कहा कि इस पर काम चल रहा है। हालांकि, इसका आइडिया अचानक ही आया था। उन्होंने बताया कि '3 इडियट्स' सीक्वल के लिए अभी हाल ही में अचानक बिना किसी कारण के यह विचार आया। मुझे नहीं पता कि यह बात इतनी फैल कैसे गई। क्योंकि यह अभी तक बना नहीं है, लेकिन हमने कहा कि हम इस पर काम करेंगे। और फिर जब भी यह बनेगा। लेकिन किसी तरह एक सुबह, मैंने देखा कि यह खबर फैल चुकी है। फिलहाल तो मेरे पास इस समय तीन-चार स्क्रिप्ट हैं और मुझे जल्द ही यह तय करना होगा कि मुझे किस दिशा में आगे बढ़ना है।

बॉक्स ऑफिस पर हिट रही हैं दोनों फिल्में

'3 इडियट्स' साल 2009 में रिलीज हुई बॉलीवुड की एक कल्ट फिल्म है। इसमें आमिर खान, आर माधवन, शरमन जोशी, करीना कपूर खान और बोमन ईरानी प्रमुख भूमिका में हैं। वहीं 'मुन्नाभाई' की शुरुआत साल 2003 में आई फिल्म 'मुन्नाभाई एमबीबीएस' से हुई थी। इसके बाद 2006 में 'लगे रहो मुन्नाभाई' आई। इसके बाद से ही फिल्म के तीसरे पार्ट को लेकर इंतजार हो रहा है। इन दोनों फिल्मों में संजय दत्त और अरशद वारसी मुख्य भूमिकाओं में नजर आए हैं।

पैरेंट्स को लगता था पढ़ाई के डर से एक्ट्रेस बनना चाहती हूं

'लैला मजनू' जैसी जुनूनी प्रेम कहानी वाली फिल्म से अपना एक्टिंग करियर शुरू करने वाली तृप्ति डिमरी इन दिनों एक और इंटेंस लव स्टोरी 'ओ रोमियो' को लेकर सुर्खियों में हैं। तृप्ति इससे पहले गहरे इश्क वाली फिल्म 'धड़क 2' भी कर चुकी हैं, पर असल जिंदगी में वह जुनूनी नहीं, सच्चे प्यार में यकीन करती हैं। तृप्ति का कहना है, 'प्यार को लेकर हर किसी का अलग नजरिया होता है। हर कोई उसे अपने हिसाब से देखता है, लेकिन मैं बस सच्चे प्यार में यकीन करती हूं। जुनूनी- वुनूनी प्यार मुझे समझ में नहीं आता, पर सच्चे प्यार पर मुझे पूरा भरोसा है।'

संघर्ष और सफलता दोनों का अपना मजा

अपने करियर के शुरुआती दौर में तृप्ति ने तीन साल में तीन फिल्में की थीं, जबकि 'एनिमल' की सफलता के बाद उनके पास फिल्मों की झड़ी लगी हुई है। अकेले साल 2024 में वह 'बैड न्यूज', 'विकी विद्या का वो वाला विडियो' और 'भूल भुलैया 3' में नजर आईं। जबकि आने वाले दिनों में भी वह 'ओ रोमियो' के अलावा, 'स्पिरिट' और 'मां बहन' जैसी बड़ी फिल्मों में दिखेंगी। रिजेक्शन और इंतजार के लंबे दौर के बाद अब हर चौथी-पांचवीं फिल्म का ऑफर मिलने वाली इस सफलता के बारे में तृप्ति कहती हैं, 'मेरे लिए तो यह बहुत खुशी की बात है कि हर चौथी या पांचवीं फिल्म मेरे पास आ रही है। मैं तो चाहती हूं कि हर दूसरी फिल्म मेरे पास आए, क्योंकि मैंने काफी लंबा गैप भी देखा है।'

पैरेंट्स को लगता था, पढ़ाई से बचने के लिए एक्टर बनना चाहती हैं तृप्ति डिमरी

तृप्ति डिमरी ने जब एक्टिंग में करियर बनाने का तय किया था, तब उनके पैरेंट्स काफी डरे हुए थे। वह उनके फैसले से ज्यादा खुश नहीं थे, लेकिन अब उनकी कामयाबी देखकर वे फूले नहीं समाते। उनकी सोच में आए बदलाव पर तृप्ति कहती हैं, 'निश्चित तौर पर अब वे बहुत खुश हैं और गर्व महसूस करते हैं। हालांकि, शुरुआत में भी उनकी जो सोच थी, जो डर था, उसके लिए मैं उन्हें गलत नहीं मानती, क्योंकि उनके लिए मुंबई एक बिल्कुल नया शहर था। वे किसी को जानते नहीं थे। ऐसे में, अपने बच्चे को यहां भेजना हर माता-पिता के लिए मुश्किल फैसला होता है। फिर, उनको यह भी नहीं पता था कि मुझे एक्टिंग से इतना प्यार है। उन्हें लगता था कि इसको पढ़ाई नहीं करनी है, इसलिए एक्टिंग में जाना चाहती है (हंसती हैं)। लेकिन अब उन्हें बहुत गर्व होता है। कई बार वे मेरे इंटरव्यू चला देते हैं, जिस पर मैं झेंप जाती हूं, मगर वे बहुत ही ज्यादा खुश हैं और मैं खुश हूं कि वे खुश हैं।'

गहरे समंदर में छोड़ देते हैं विशाल सर

फिल्म 'ओ रोमियो' में तृप्ति डिमरी का किरदार काफी इंटेंस और लेयर वाला है। इसकी तैयारी के बारे में वह बताती है, 'इस किरदार को समझने में मुझे विशाल सर (डायरेक्टर विशाल भारद्वाज) से बहुत मदद मिली। हर फिल्म, हर किरदार के साथ हमारी एक जर्नी होती है, जहां उनको समझने के लिए आपको वक्त देना पड़ता है। कम से कम मेरा प्रॉसेस ऐसा है कि मैं जानना चाहती हूं कि वो किरदार कैसे सोचता है? अलग-अलग लोगों के साथ उसका बर्ताव कैसा है? उसके लिए मैंने अतुल मोंगिया सर के साथ काफी वर्कशॉप की। मेरे किरदार अफशां की चुनौतियां, परिस्थितियां आदि समझने की कोशिश की। उससे काफी कुछ सीखने को मिला। अगर मैं वो नहीं करती तो पहले दिन बहुत नर्वस होती। उसके अलावा, विशाल सर के साथ काम करना अपने में एक्टिंग वर्कशॉप है। वह कई बार आपको गहरे समंदर में छोड़ देते हैं। आपको लगेगा कि आपको सीन का सुर पता है पर फिर आपको पता चलेगा कि नहीं, यह तो कुछ अलग है।'

संघर्ष के कारण सफलता की कीमत समझती हैं तृप्ति

तृप्ति आगे कहती हैं, 'मैं काफी पहले से एक्टर बनने की कोशिश कर रही थी, मगर जब मुझे मौका मिला तो अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। हालांकि, मैंने तब भी कभी ऐसा नहीं सोचा कि मैं असफल हूं। मैं तब भी बहुत खुश थी, जब ऑडिशन के लिए जाती थी। उसका अलग मजा था। आज जो चल रहा है, उसका अलग मजा है। सच कहूं तो अगर मैंने वो दिन नहीं देखे होते तो शायद मैं अपने करियर को उतना वैल्यू नहीं करती, जितना आज करती हूं।'

स्वामित्व, प्रकाशन एवं संपादन – कृष्णा टेकरीवाल प्रकाशित समाचारों की सत्यता हेतु संबंधित संवाददाता जिम्मेदार होंगे विज्ञापन हेतु मोबाइल : 9801716267